PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 298 ● भिलाई, मंगलवार 09 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

समस्त भिलाई एवं रिसाली वासियों की तरफ से

विकास पुरुष माननीय

श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी

को जन्मदिन की

बहुत - बहुत बधाई एवं

शुभकामनाएँ

“ आपकी निस्वार्थ जनसेवा और 'पानी वाले बाबा' के रूप में आपका समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वे आपको उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और अपार खुशियां प्रदान करें, ताकि आप इसी प्रकार हमारा मार्गदर्शन करते रहें।

विष्णु पाठक

क्षेत्र के विकास कार्यों का श्रेय लेने भाजपा, कांग्रेस में मची होड़

धमतरी। शहर में लगातार विकास कार्य जारी हैं जिसके भूमिपूजन, उदघाटन कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने नजर आ रहे हैं। क्षेत्र के विकास कार्यों का श्रेय लेने भाजपा और कांग्रेस में होड़ मच गई है। कांग्रेस का मानना है कि क्षेत्र में विधायक के प्रयास से विकास कार्य हो रहे हैं वहीं भाजपा का कहना है कि उनके ही प्रयास से शहर में विकास की नई बयार आई है। विधायक के प्रयासों से स्वीकृत दो महत्वपूर्ण सड़कों का महापौर द्वारा झूठा श्रेय लेने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण आकाश गोलछा जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री आकाश गोलछा ने कहा कि धमतरी विधायक ओंकार साहू के निरंतर प्रयासों, जनहित के मुद्दों पर लगातार की गई क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप सिहावा चौक से कोलियारी नहर नाक चौक तक डिवाइडर सहित फोरलेन सड़क निर्माण तथा रत्नाबांधा चौक से मुजगहन तक फोरलेन सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति मिली है। यह लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग रही है, जिसके पूरा होने से यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। आकाश गोलछा ने कहा कि विधायक ओंकार साहू के प्रयास से स्वीकृत इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा धमतरी में आयोजित समस्या निवारण शिविर के दौरान विधिवत किया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक मंच से भूमिपूजन किए जाने के बाद इन परियोजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ और क्षेत्रवासियों में विकास का सौगात मिला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा आधिकारिक रूप से भूमिपूजन किए जाने के बाद भी धमतरी नगर निगम के महापौर द्वारा भूमिपूजन कर राजनीतिक वाहवाही लूटने का प्रयास किया जा रहा है। यह जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने वाला कदम है। मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन किए जाने के बाद उसी

कार्य का दोबारा भूमिपूजन कर श्रेय लेने की कोशिश मुख्यमंत्री के आधिकारिक कार्यक्रम और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली प्रतीत होती है। गोलछा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय नेताओं को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब मुख्यमंत्री स्वयं इन कार्यों का भूमिपूजन कर चुके हैं, तब दोबारा भूमिपूजन की आवश्यकता क्यों पड़ी। जनता के सामने विकास कार्यों की वास्तविकता रखने के बजाय श्रेय लेने की राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि वे मुख्यमंत्री के आधिकारिक कार्यक्रम को महत्व देते हैं या केवल राजनीतिक प्रचार में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि धमतरी की जनता भली-भांति जानती है कि इन परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए विधायक ओंकार साहू ने लगातार प्रयास किए, शासन-प्रशासन के समक्ष क्षेत्र की जरूरतों को मजबूती से रखा और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इसलिए इन विकास कार्यों का वास्तविक श्रेय विधायक ओंकार साहू के प्रयासों और क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी मांग को जाता है। आकाश गोलछा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी विकास कार्यों का हमेशा स्वागत करती है। लेकिन जनता को भ्रमित कर झूठा श्रेय लेने की राजनीति का विरोध भी करती है। धमतरी की जनता विकास चाहती हैए दिखावटी राजनीति नहीं। जनता उन लोगों को पहचानती है जो विकास के लिए संघर्ष करते हैं और उन लोगों को भी जो तैयार कार्यों पर श्रेय लेने का प्रयास करते हैं। शहर में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों के शुभारंभ के बाद कांग्रेस का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। भाजपा पार्षदों ने जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री आकाश गोलछा और कांग्रेस नेताओं के आरोपों को पूरी तरह निराधार, तथ्यहीन और जनता को गुमराह करने वाला बताया है। पार्षदों ने कहा कि धमतरी के महापौर रामू रोहरा के सतत प्रयासों, जनप्रतिनिधियों से निरंतर संवाद और शासन स्तर पर लगातार पहल के कारण ही शहर को बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों की सौगात मिली है। भाजपा पार्षदों ने कहा कि 31 मई 2025 को आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम में महापौर रामू रोहरा ने सार्वजनिक मंच से मुख्यमंत्री के समक्ष शिवाजी चौक से मुजगहन तथा सिहावा चौक से कोलियारी तक फ ोरलेन सड़क निर्माण की मांग प्रमुखता से रखी थी।

मुख्यमंत्री द्वारा इस मांग को स्वीकार करते हुए इसकी घोषणा की गई और अब उन्हीं कार्यों का भूमिपूजन एवं शुभारंभ हो रहा है। यह तथ्य धमतरी की जनता भलीभांति जानती है और शहर का बच्चा-बच्चा इस सच्चाई से परिचित है। पार्षदों ने कहा कि विकास कार्यों का भूमिपूजन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के करकमलों से 17/5/26 को हुआ है, वहीं महापौर रामू रोहरा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यस्थल पर जाकर कार्य का शुभारंभ किया। ऐसे में कांग्रेस नेताओं द्वारा विकास कार्यों को लेकर अनर्गल आरोप लगाना उनकी राजनीतिक हताशा और बौखलाहट को दर्शाता है। भाजपा पार्षदों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास जनता के बीच जाने और विकास के मुद्दे पर बात करने के लिए कोई ठोस आधार नहीं बचा है। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता अब श्रेय की राजनीति कर रहे हैं और विकास कार्यों पर भी विवाद खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायक ओंकार साहू और कांग्रेस के कुछ नेताओं को यह बात पच नहीं रही है कि महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में धमतरी में लगातार विकास कार्यों को स्वीकृति मिल रही है। सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में जो कार्य वर्षों से लंबित थे, उन्हें गति मिली है। भाजपा पार्षदों ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि अब जनता केवल बयानबाजी नहीं बल्कि जमीनी काम देख रही है। धमतरी में फोरलेन सड़क, डिवाइडर निर्माण, विभिन्न वार्डों में विकास कार्य और अधोसंरचना विस्तार जैसे कार्य भाजपा सरकार की विकासवादी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल की विफ लताओं और जनता से किए गए अधूरे वादों से ध्यान भटकाने के लिए अनर्गल बयान दे रही है। लेकिन जनता अब सच्चाई समझ चुकी है और विकास के मुद्दे पर किसी भी प्रकार की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा पार्षदों ने कांग्रेस नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि वे पहले अपने कार्यकाल में धमतरी के लिए किए गए कार्यों का लेखा-जोखा जनता के सामने रखें। वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस जिन कार्यों को पूरा नहीं कर सकी, उन्हें भाजपा सरकार और महापौर रामू रोहरा के प्रयासों से पूरा किया जा रहा है। पार्षदों ने कहा कि धमतरी के विकास की यात्रा निरंतर जारी रहेगी और कांग्रेस के निराधार आरोप विकास की गति को रोक नहीं सकते। जनता का विश्वास विकास और सुशासन के साथ है, न कि झूठे आरोपों और राजनीतिक प्रपंचों के साथ।

रक्टाटे परिवार के पुत्र-पुत्रियों द्वारा माता-पिता की पुण्य स्मृति में शीतल मठा सेवा का आयोजन

धमतरी। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर स्व.रामप्रकाश रक्टाटे एवं स्व.पुष्पा देवी रक्टाटे की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र-पुत्रियों एवं परिवारजनों द्वारा श्रद्धा, सेवा और संस्कार का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। रत्नाबांधा स्थित बंधन बैंक के सामने राहगीरों के लिए शीतल एवं स्वास्थ्यवर्धक मठा सेवा का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने मठा ग्रहण कर तृप्ति व्यक्त की। इस सेवा कार्य की प्रेरणा एवं पहल पूनम ठक्कर एवं जितेन्द्र ठक्कर द्वारा की गई। कार्यक्रम में परिवार की ओर से प्रीति भोंसले, प्रतिमा यादव, प्रेमा मुलकलवार एवं चिराग रक्टाटे ने सक्रिय सहभागिता निभाई। भीषण गर्मी और कड़ी धूप के बीच बच्चों और परिवार ने उत्साहपूर्वक सड़क पर घूम.घूमकर पथिकों तक शीतल मठा पहुँचाया। राहगीरों को मठा पर्यावरण अनुकूल कुल्हड़ में

पिलाया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश प्रसारित हुआ। इस दौरान बस, कार, ऑटो.रिक्शा, बाइक एवं अन्य वाहनों में यात्रा कर रहे यात्रियों तक भी सेवा पहुँचाई गई। बच्चों की मासूम सेवा भावना और समर्पण ने सभी का मन मोह लिया। सेवा कार्य में आस्था जगताप, अभिषेक जगताप, अनमोल भोंसले, लक्ष्य मुलकलवार, लव्य ठक्कर, काव्यांश यादव तथा परिचारक नंदू के साथ.साथ वर्षा खंडेलवाल, सुलेखा जोशी, स्नेहा राठौड़ एवं सरिता दोशी का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूनम ठक्कर शाखा प्रबंधक एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, जितेन्द्र ठक्कर क्षेत्रीय प्रमुख आधार हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, प्रीति भोंसले प्रधान पाठक मधुराडीह प्राथमिक विद्यालय, प्रतिमा यादव व्याख्याता खरतुली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रेमा मुलकलवार व्याख्याता तरसीवा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चिराग रक्टाटे शाखा प्रबंधक आवास हाउसिंग फाइनेंस कंपनी लिमिटेड एवं सुष्मिता रक्टाटे की विशेष उपस्थिति रही।

बरोंडा बाजार के युवाओं ने पेश की मिसाल : पांच वर्षों से लगातार कर रहे वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण

महासमुंद। बरोंडा बाजार-पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए ग्राम बरोंडा बाजार के युवाओं ने 'मुक्तिधाम सेवा समिति' का गठन किया है। यह समिति पिछले पांच वर्षों से निरंतर वृक्षारोपण अभियान चला रही है और न केवल पौधे लगा रही है, बल्कि उनकी देखभाल (संरक्षण) के लिए भी समर्पित है। समिति के युवाओं का मानना है कि केवल पेड़ लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य के साथ, समिति के सदस्य हर साल पौधे लगाते हैं और नियमित रूप से उनमें पानी देने व उनकी सुरक्षा करने का कार्य स्वयं कर रहे हैं। इन पांच वर्षों के अथक प्रयासों से मुक्तिधाम का परिसर हरियाली से आच्छादित हो चुका है। मुक्तिधाम

सेवा समिति का मुख्य लक्ष्य केवल परिसर को हरा-भरा बनाना ही नहीं है, बल्कि अन्य ग्रामीणों और युवाओं को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। समिति के सदस्यों का कहना है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के इस दौर में वृक्षारोपण ही एकमात्र समाधान है। बरोंडा बाजार के युवाओं द्वारा शुरू की गई यह मुहिम न केवल गांव के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है। इनकी कार्यशैली यह दर्शाती है कि यदि युवा संकल्प ले लें, तो प्रकृति का संरक्षण और पर्यावरण का संवर्धन सुनिश्चित है। ग्रामीणों ने इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है और आशा व्यक्त की है कि यह समिति भविष्य में भी पर्यावरण के प्रति अपनी इसी सक्रियता को बनाए रखेगी।

एक पेड़ माँ के नाम, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

सरायपाली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधानसभा अंतर्गत भाजपा मंडल के द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बैतारी के तालाब मेड़ परिसर में सहभागिता करते हुए जिला पंचायत सभापति एवं जिला मंत्री कुमारी भास्कर शामिल हुई और "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण किया। इस अवसर पर कुमारी भास्कर ने कहा कि माँ हमें जीवन देती है और वृक्ष जीवन को संवारते हैं। इसी भावना को आत्मसात करते हुए यह अभियान प्रकृति के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संदेश देता है। पर्यावरण का संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण मानव जीवन के साथ-साथ समस्त जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है। वृक्ष हमें शुद्ध वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण तथा प्राकृतिक संतुलन प्रदान करते हैं। आज आवश्यकता है कि हम सभी अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ और उनके संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लें। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता गण, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री गण, मंडल उपाध्यक्ष गण, सभी मोर्चा के पदाधिकारी गण, महिला मोर्चा के पदाधिकारी गण, जनप्रतिनिधि गण, एवं भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान की बैठक हुई

बलौदाबाजार। बलौदा बाजार में स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वालंबी भारत अभियान की जिला विचार वर्ग समिति पर विचार विमर्श किया गया यह कार्यक्रम परम स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय साहू छात्रावास पर आयोजित की गई। इस विचार वर्ग में संघ एवं स्वदेशी से जुड़े व्यक्तियों ने भाग लिया। इस विचार वर्क का उपदेश देश में उद्यमिता रोजगार देने वाले तथा स्वरोजगार पैदा करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। इस विचार मंच की मुख्य वक्त के रूप में सुमन मुथा प्रांत समन्वयक स्वदेशी जागरण मंच में विस्तार से बताया कि लगातार की स्वदेशी के बिना हमारे भारतीय प्रतिमान के बिना भारत का विकास संभव नहीं है आज अमेरिका फ्रांस जैसे देश अपने स्वदेशी की बात करते हैं मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और भारत की मोदी जी के नेतृत्व में

बेरोजगारी को हटाना है और भारत को एक आर्थिक रूप से समृद्ध भारत बनाना है। सोने की चिड़िया भारत पहले था और भारत को सोने का शेर बनाना, स्वदेशी के बिना हमारे भारतीय प्रतिमान के बिना भारत का विकास संभव नहीं है और आज अमेरिका फ्रांस जैसे देश अपने स्वदेशी की बात करते हैं अमेरिका ग्रेट अगेन और भारत की मोदी के नेतृत्व में इंडिया ग्रेट की बातें है जब संभव है जब भारत से गरीबों को दूर करना है, बेरोजगारी को हटाना है, और भारत को एक आर्थिक रूप से समृद्ध भारत बनाना है, वही इस विषय पर दिग्विजय भाकरे छत्तीसगढ़ रायपुर प्रांत कार्यालय प्रमुख ने भी अपने विचार रखे उन्होंने संगवारी माइक्रोफाइनेंस प्रबंध कर छोटे-छोटे लोगों को छोटा फाइनेंस कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया। इस अवसर पर डॉक्टर नम्रता सराफ, प्राचार्य परम आदर्श स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय बलौदा बाजार, मनीष बरनवाल तथा पूर्व प्राचार्य डी के महाविद्यालय बलौदा बाजार के डॉक्टर जय नारायण केशरवानी, मार्गदर्शक सौरभ साहू जिला संयोजक स्वदेशी मंच तथा स्वदेशी जागरण मंच की विचारधारा से रहने वाले प्रबुद्ध में डॉक्टर प्रियंका पाटले प्रोफेसर निपानिया महाविद्यालय, डॉक्टर धनंजय मिश्रा प्राचार्य डीके महाविद्यालय, राजेंद्र वर्मा प्रोफेसर हिंदी, नरेंद्र मिर्जा, पूर्व प्रोफेसर एस. एम. पाध्ये, लक्ष्मी साहू, राज नारायण केसरवानी, विकास सराफ, दिनेश वर्मा, जगदीश चावड़ा, शांति साहू, शालीन साहू,अनुराग वर्मा, रामगोपाल केसरवानी, टेसूलाल धुरंधर, खोडस राम कश्यप, शिव तिवारी, मिकी तिवारी, पीयूष मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में लोगों ने इस विचार वर्ग में शामिल में कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मोर ध्वज पैकरा द्वारा किया गया।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण

सरायपाली। पर्यावरण दिवस के पावन पर्व पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं

आर टी आई जागरुकता संगठन भारत राष्ट्रीय अध्यक्ष सागेश कुमार भाटी के दिशा निर्देशानुसार पंडित टिकेश्वर मिश्रा सामाजिक कार्यकर्ता राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर टी आई जागरुकता संगठन भारत राष्ट्रीय महासचिव एवं अतिरिक्त छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय परिसर में एस डीओ पुलिस ललिता मेहर स्वयं गुलमोहर का पौधा लगाए तथा उनके उपस्थित में गुलमोहर,निम पिपल, बिही -(माजा) वृक्षों का रोपण किया गया वर्षाकाल माह में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय में लगभग 100 पौधा रोपण करने का तथा पौधों को देख रेख करने का निर्णय लिया गया जिससे पर्यावरण को स्वच्छ एवं बढ़ावा मिलेगा।

उर्मिला बाई साहू का निधन

धमतरी। उर्मिला बाई साहू का हृदयाघात से अचानक निधन हो गया जिनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान ग्राम जुनवानी में संपन्न हुई। वे भागीरथी साहू, लोकेश साहू एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राकेश साहू की माताजी थी।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ग्राम छाती में सामाजिक कार्यक्रम में हुए शामिल

धमतरी। वित्तमंत्री ओ पी चौधरी धमतरी जिले के ग्राम छाती में आयोजित चंद्रनाह चंद्राकर कुर्मी.क्षत्रिय समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाजजनों को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ एवं देश के विकास में समाज की भूमिका और योगदान को और अधिक प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। वित्तमंत्री ओ पी चौधरी ने कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह शिक्षा, संगठन, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्राथमिकता देता है। उन्होंने समाज के युवाओं से शिक्षा, व्यवहार और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़कर राज्य एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। चौधरी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ऐसे समय में समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है कि वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अपनी सकारात्मक और रचनात्मक भूमिका निभाए।

राजस्व अधिकारी, सूचना का अधिकार अधिनियम की उड़ा रहे धज्जियां, धारा 18 के तहत शिकायत राज्य सूचना आयोग में

धमतरी। प्रशासन में पारदर्शिता बनाये जाने को लेकर सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 बनाया गया था। केंद्र की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बनाये गये इस नियम का पालन करने हेतु प्रत्येक कार्यालय में जनसूचना अधिकारी बनाये गये हैं जिनके द्वारा सूचना के अधिकार के आवेदन का निराकरण 30 दिनों के भीतर किये जाने का निर्देश दिया गया है। लेकिन कुछ महीनों से कुछ राजस्व अधिकारी सूचना का अधिकार अधिनियम का मखौल उड़ा रहे है। अधिनियम के तहत लगने वाले आवेदनों में त्रुटियां निकालकर आवेदकों को चक्कर खिलाया जा रहा है। विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए लगातार सूचना के अधिकार संबंधी आवेदनों को अधूरा बताकर भी टाला जा रहा है जिससे आवेदकों को ऐसा लगने लगा है कि वर्तमान समय में सूचना का अधिकार अधिनियम का महत्व कम हो गया है। इसी वजह से अब आवेदकों में भी मायूसी देखी जा रही है। इन्हीं श्रृंखलाओं में धमतरी में पदस्थ एक राजस्व अधिकारी का भी नाम जुड़ गया है जिनके द्वारा अनेक आवेदनों को न्यायसंगत न बताते हुए खारिज किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार उक्त राजस्व अधिकारी के पास लगने वाले अधिकांश आवेदनों को विभिन्न धाराओं का उल्लेख करते हुए निरस्त कर दिया जाता है जिसकी शिकायत धारा 18 के तहत राज्य सूचना आयोग से की जा रही है। आवेदन लगाने वाले पीड़ितों ने प्रतिनिधि को बताया कि उनकी मांग है उक्त राजस्व अधिकारी के कार्यकाल में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत लगे आवेदन पत्रों की अगर सिलसिलेवार जांच की जाये तो अनेक आवेदनों को नियम विरूद्ध निरस्त करने का मामला सामने आ जायेगा। उक्त अधिकारी का यह दावा है कि मैं कोई भी जानकारी नहीं दूंगा, चाहे कोई कितना भी आवेदन लगा दे, या शिकायत कर दे, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं अपनी मर्जी का मालिक हूं। उक्त अधिकारी लगातार सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत लगने वाले आवेदनों की जानकारी न देकर

लगातार इस अधिनियम की धज्जियां उड़ा रहे है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 जब अस्तित्व में आया, उसके बाद इस आयोग से संबंधित बड़े-बड़े अधिकारी धमतरी जिले में आकर शिविर आयोजित किये जिसमें समस्त विभाग के अधिकारी सहित शहर के जागरूक नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति प्रदान की। राजधानी से पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से कोई भी व्यक्ति, किसी भी विभाग से जानकारी लेकर अपनी शंका को दूर कर सकता है। यदि आवेदक का आवेदन किसी अन्य विभाग का रहता है तो संबंधित जनसूचना अधिकारी उक्त संबंधित विभाग को उक्त आवेदन भेजकर चाही गई जानकारी को 30 दिवस के भीतर उपलब्ध करायेगा। जब तक पूर्ववर्ती सरकार केंद्र में स्थापित रही, तब तक यह अधिनियम अंतर्गत लगने वाले आवेदनों का निराकरण तेजी के साथ होता रहा। लेकिन सरकार बदलने के बाद सूचना का अधिनियम 2005 को लेकर संबंधित अधिकारियों द्वारा अब जानकारी देने में टालमटोल किया जा रहा है जिससे आवेदकों में भारी निराशा है। इनका कहना है कि जनसूचना अधिकारी द्वारा किसी भी आवेदन में त्रुटियां बताकर ऐसे आवेदनों पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है और आवेदन को निरस्त कर दिया जाता है। जागरूक लोगों द्वारा इस खारिज आवेदन को लेकर प्रथम अपील, अधिकारियों के समक्ष की जा रही है। लेकिन जिस प्रकार जनसूचना अधिकारी द्वारा आवेदनों को निरस्त किया जा रहा है, उसे लेकर एक बहुत बड़ा वर्ग इसकी शिकायत आयोग में करने की तैयारी कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि सूचना का अधिकार अधिनियम अंतर्गत एक आवेदन लगाकर तहसील कार्यालय में रिक्त पड़े माल जमादार के पद को लेकर आवेदन लगाया गया था और वर्तमान में कार्यरत प्रभारी माल जमादार की जानकारी मांगी गई थी। चूंकि माल जमादार का पद एक संवेदनशील पद है, जिस पर तहसीलदार अथवा राजस्व विभाग से निकलने वाले पत्रों को संबंधितजनों को कोटवार के माध्यम से पहुंचाने का कर्तव्य रहता है, अभी तक माल जमादार की स्थायी नियुक्ति नहीं होने से शहर के नागरिकों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। इनका कहना है कि कई ऐसी सूचनाएं, पत्र, नोटिस, गंभीर जानकारी के साथ रहती है। लेकिन स्थायी माल जमादार की नियुक्ति न होने से इसकी गोपनीयता भंग हो सकती है। वर्तमान में यहां प्रभारी माल जमादार की जवाबदारी यहां पदस्थ एक कर्मी द्वारा निभाई जा रही है। इसे लेकर ही सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन लगाया गया था।

लेकिन जनसूचना अधिकारी द्वारा उक्त आवेदन को चाही गई जानकारी व्यक्तिगत/निजी प्रकृति की घोषित करते हुए सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 11(1) के प्रावधान के तहत वांछित जानकारी यदि तृतीय पक्ष के निजता से संबंधित हो तो तृतीय पक्ष की सहमति लेकर ही प्रदाय की जा सकती है और इस तरह सहमत नहीं होने की दशा में धारा 8 के प्रावधानों के अंतर्गत निजता/गोपनीयता संबंधी जानकारी होने से प्रदाय किया जाना तर्कसंगत नहीं है, ऐसा कारण बताते हुए आवेदन खारिज कर दिया गया। आवेदक द्वारा जनसूचना अधिकारी के आदेश के विरूद्ध प्रथम अपीलीय अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के न्यायालय में अपील प्रस्तुत की गई है जिसमें तर्क दिया गया है कि जनसूचना अधिकारी तहसील कार्यालय धमतरी से प्रभारी माल जमादार की पदस्थापना दिनांक एवं इससे संबंधित दस्तावेजों की मांग की गई थी। लेकिन जनसूचना अधिकारी ने उक्त आवेदन को निरस्त कर दिया है जबकि मांगी गई जानकारी जनहित में है। आवेदक का यह तर्क था कि मांगी गई जानकारी में पदनाम एवं प्रभारी पद की जानकारी जो मांगी गई है, वह व्यक्तिगत या निजी नहीं है। जनहित में मांगी गई है जिसमें सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के उपरोक्त धाराओं का उल्लंघन नहीं होता। जबकि तहसील कार्यालय में पदस्थ जनसूचना अधिकारी द्वारा जिस तरह आवेदन को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत खारिज किया गया है वह स्वयं उल्लंघन की श्रेणी में आता है। तहसील कार्यालय में जितने भी आवेदन सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत लगाये जा रहे हैं, उसे जान बूझकर निरस्त कर आवेदकों को परेशान किया जा रहा है। ऐसे पीड़ित लोग हालांकि इसकी अपील कर रहे हैं। साथ ही साथ राज्य सूचना आयोग के अधिकारी के पास भी इसकी शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं। जनसूचना अधिकारी के गलत निर्णय के कारण एवं आवेदकों के आवेदनों को बिना किसी आधार के निरस्त किये जाने से धमतरी जिले के आवेदकों में खासी नाराजगी देखी जा रही है।

इन्होंने आयोग के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 में जिस तरह घोर लापरवाही बरती जा रही है, उसे लेकर पूर्व की तरह धमतरी जिले में एक शिविर, कार्यशाला लगाई जाये जिसमें जिले के अधिकारी, कर्मचारियों को इस अधिनियम की विस्तृत जानकारी देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नौतपा समाप्त, लेकिन गर्मी व उमस बरकरार

रायपुर। जेठ महीने में नौतपा की अवधि भले ही समाप्त हो गई हो, लेकिन कोरबा जिले में गर्मी का प्रकोप अभी भी कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार बढ़ते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय सडकों पर आवाजाही कम दिखाई दी और लोग केवल अत्यावश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकलते नजर आए। तेज धूप और गर्म हवाओं ने आमजन की परेशानियां बढ़ा दी हैं। बाजारों, चैक-चैराहों और सार्वजनिक स्थानों पर दोपहर के समय अपेक्षाकृत सन्नाटा देखने को मिला। सबसे अधिक दिक्कत मजदूरों, रिक्शा चालकों, ठेला संचालकों और खुले वातावरण में काम करने वाले लोगों को हो रही है, जिन्हें अपनी आजीविका के लिए तेज गर्मी के बीच भी कार्य करना पड़ रहा है। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पहले ही सतर्कता संबंधी एडवाइजरी जारी कर चुके हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें और शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का ध्यान रखने की सलाह दी है, क्योंकि लू और गर्मी से संबंधित बीमारियों का खतरा इस दौरान बढ़ सकता है।

पहले रेप फिर अपहरण की कोशिश, आरोपी गिरफ़्तार

रायपुर। मुंगेली पुलिस ने नाबालिग छात्रा को खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने तथा दूसरे दिन घर में घुसकर अपहरण का प्रयास करने वाले आरोपी कों गिरफ्तार किया हैं. मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। मामला लालपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी आशीष सोनवानी पहले छात्रा को लोरमी बस स्टैंड से बाइक पर बैठाकर बिलासपुर रोड के एक खेत में ले जाकर अपने हवस का शिकार बनाया। इसके बाद 3 जून की रात 2 बजे आरोपी पीड़िता के घर में घुसकर उसे जबरन भगाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन परिजनों के जाग जाने पर वह भाग निकला। पीड़िता की लिखित शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश में लालपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और उसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और 4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया हैं.

22 लाख की यात्री बस चोरी कुछ घंटों में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। पुलिस ने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 22 लाख रुपये मूल्य की चोरी गई यात्री बस को कुछ ही घंटों में बरामद कर लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार 3 जून को नया बस स्टैंड से बस क्रमांक सीजी-10 जी-1601 चोरी होने की सूचना मिली थी। शिकायत मिलते ही चैकी सीएसईबी रामपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान बस के कंडक्टर ने चोरी गई बस और आरोपी की पहचान कर उसे कोहड़िया के पास पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी "मनजीत सिंह टोप्पो (31 वर्ष)" निवासी बॉधियापारा सिल्ली, थाना पाली, जिला कोरबा ने बस चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बस बरामद कर जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत कार्रवाई की गई है। कोरबा पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने की अपील करते हुए कहा है कि जनसहयोग और पुलिस की सतर्कता से अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

प्रेम संबंध के शक में खूनी वारदात: बाउंसर की आंखों में मिर्च झोंककर पत्थर से हत्या

रायपुर। कोटा थाना क्षेत्र के पथरी गांव में एक सनसनीखेज हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। 27 वर्षीय बाउंसर निखिल गोस्वामी की कथित प्रेम संबंधों को लेकर हुए विवाद में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमलावरों ने पहले उसकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और फिर पत्थर से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस के अनुसार, निखिल गोस्वामी बिलासपुर के एक बार में बाउंसर के रूप में कार्यरत था। घटना की रात वह अपने दो दोस्तों के साथ अमने मोड़ के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन-चार युवक वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि निखिल ने उनमें से एक युवक को पहचानकर आवाज लगाई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि भोला मानिकपुरी और उसके साथियों ने निखिल पर हमला कर दिया। पहले उसकी आंखों और चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंका गया।

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

मछुआरा समाज के उत्थान के लिए सरकार प्रतिबद्ध-मुख्यमंत्री विष्णुदेव

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार मछुआरा समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आधार बनाकर प्रदेश में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय मछुआरा संघ के विधानसभा पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह एवं समाजिक प्रगति चिंतन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।उन्होंने मछुआरा कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय भरत लाल मटियारा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका योगदान समाज सदैव याद रखेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने भी विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने मत्स्य क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हसदेव-बांगो जलाशय में 37 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क स्थापित किया जा रहा है। इससे मछली उत्पादन, प्रोसेसिंग, निर्यात और मत्स्य पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं दुधवा जलाशय में वैज्ञानिक पद्धति से तिलापिया और पंगास मछली का पालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मत्स्य सहकारी समितियों के सदस्यों को 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क दुर्घटना बीमा प्रदान किया जा रहा है। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले मत्स्य पालकों को प्रतिवर्ष राज्योत्सव में बिलासा देवी केंवट सम्मान से सम्मानित किया जाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गंगरेल डूबान क्षेत्र समिति को ठेका पद्धति समाप्त कर पुन: मछली पालन की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मछली पालन किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी व्यवसाय है और सरकार इसके विस्तार के लिए हर संभव सहयोग दे रही है। उन्होंने सुशासन तिहार के अनुभव साझा करते हुए बताया कि अब तक 31 जिलों का दौरा कर योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन का निरीक्षण किया गया है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि अंतिम व्यक्ति तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की जल्द शुरुआत की भी घोषणा की, जिसके माध्यम से आम नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि मछुआरा समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है और प्रदेश में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार मत्स्य पालकों के हितों की रक्षा और उनके आर्थिक विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को भी चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहाड़ों और जंगलों के बीच पहुंची शासन की योजना....

■ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुन्तला बनीं बदलाव की वाहक

रायपुर। संवाददाता

विकास की असली तस्वीर अक्सर उन दूरस्थ बस्तियों में दिखाई देती है, जहां सुविधाएं सीमित होती हैं, लेकिन सेवा का संकल्प असीमित। रायगढ़ जिले के आदिवासी बाहुल्य धरमजयगढ़ विकासखंड के दुर्गम वनांचल क्षेत्र में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कुन्तला तिर्की ने ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है। कठिन पहाड़ी रास्तों, सीमित संसाधनों और परिवहन सुविधाओं के अभाव के बावजूद उन्होंने महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों तक पहुंचकर न केवल उन्हें योजना की जानकारी दी, बल्कि उनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया भी पूरी कराई। उनके अथक प्रयासों से 84 में से 83 महिलाओं की ई-केवाईसी सफलतापूर्वक पूर्ण हो सकी। धरमजयगढ़ के कापू परियोजना अंतर्गत आने वाला खम्हार सेक्टर जिला मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। इसी सेक्टर के रामपुरिया आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं है। पहाड़ी और वन क्षेत्र से गुजरते हुए तीन से चार किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। विशेष पिछड़ी जनजाति पण्डो और कोरवा समुदाय की आबादी वाले इस गांव में महतारी वंदन योजना के 84 हितग्राही पंजीकृत थे। योजना के तहत ई-केवाईसी पूर्ण करना आवश्यक था, लेकिन दूरस्थ भौगोलिक परिस्थितियों और तकनीकी सुविधाओं की कमी के कारण यह कार्य आसान नहीं था। ऐसे समय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुन्तला तिर्की ने जिम्मेदारी को केवल सरकारी दायित्व नहीं माना, बल्कि इसे महिलाओं तक शासन की योजना पहुंचाने का मिशन बना लिया। उन्होंने गांव-गांव जाकर महिलाओं से संपर्क किया, उन्हें ई-केवाईसी की आवश्यकता समझाई और योजना के लाभों की जानकारी दी। कई बार उन्हें हितग्राहियों के साथ पैदल लंबी दूरी तय करनी पड़ी। अनेक महिलाओं को वे स्वयं अपने साथ लेकर लगभग दस किलोमीटर दूर खम्हार तक पहुंचीं, ताकि उनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो सके।

मड़कड़ी समाधान शिविर में भारी भीड़ 1627 आवेदन प्राप्त हुए.....

रायपुर। संवाददाता

सुशासन तिहार के अंतर्गत बिलाईगढ़ जनपद क्षेत्र के अंतिम ग्राम पंचायत मड़कड़ी में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधियों द्वारा पूजा- अर्चना के साथ किया गया। शिविर में मड़कड़ी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां जिला स्तरीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जनप्रतिनिधियों ने सभी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में कुल 1627 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। प्राप्त आवेदनों में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से शामिल रहे। शिविर को संबोधित करते हुए कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कहा कि मड़कड़ी में आयोजित यह समाधान शिविर अत्यंत सफल रहा है, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि जिन आवेदनों का तत्काल निराकरण संभव है, उनका मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है तथा शेष आवेदनों पर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। यह बिलाईगढ़ जनपद क्षेत्र का अंतिम समाधान शिविर है तथा जिले में अब तक सुशासन तिहार के अंतर्गत लगभग 22 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

दंतेवाड़ा को भारी वाहनों के दबाव से मिलेगी मुक्ति, दिसम्बर तक पूरा होगा बायपास सड़क और पुल का काम

नैनो उर्वरक से बदली खेती की तस्वीर

वैज्ञानिक खेती और आधुनिक तकनीक से बढ़ रहा मुनाफा..

रायपुर/ संवाददाता

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों का उपयोग किसानों की आय और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखंड अंतर्गत ग्राम नंगूटोला के प्रगतिशील किसान जाहिद अंसारी इसकी एक मिसाल हैं। नैनो उर्वरक के वैज्ञानिक उपयोग और कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने अपनी खेती को अधिक लाभकारी और उत्पादक बना लिया है। करीब सात एकड़ भूमि में खेती करने वाले जाहिद अंसारी खरीफ सीजन में धान तथा रबी सीजन में चना और गेहूं की खेती करते हैं। खेती को आधुनिक और टिकाऊ बनाने के लिए वे नियमित रूप से कृषि विभाग की सलाह लेते हैं तथा प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रेंगाडबरी से उन्नत बीज और आवश्यक उर्वरक प्राप्त करते हैं। इस वर्ष भी उन्होंने समय पर सहकारी समिति से पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज प्राप्त कर लिया, जिससे खेती की तैयारियां सुचारु रूप से पूरी हो सकीं। खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपने खेतों में नैनो उर्वरक का उपयोग किया। इसका प्रभाव फसलों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उनके अनुसार नैनो उर्वरक के प्रयोग से धान, चना और गेहूं की फसलों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

नैनो उर्वरकों ने बदली खेती की तस्वीर, किसान जगदीश प्रधान को मिला बेहतर उत्पादन

रायपुर। खेती में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से किसानों की आय बढ़ाने और उत्पादन लागत कम करने की दिशा में किए जा रहे प्रयास अब सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं। रायगढ़ विकासखंड के ग्राम भिखारीमाल निवासी किसान जगदीश प्रधान ने जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के मार्गदर्शन में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग कर खेती में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। जगदीश प्रधान ने अपनी लगभग पांच एकड़ कृषि भूमि में नैनो उर्वरकों का उपयोग किया। वे बताते हैं कि कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर दी गई तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन से उन्हें इन उर्वरकों के सही उपयोग की समझ मिली। इसके बाद उन्होंने अपनी फसलों में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का प्रयोग शुरू किया, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसल की वृद्धि बेहतर हुई, पौधे अधिक स्वस्थ एवं हरे-भरे दिखाई दिए तथा उत्पादन में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिला। साथ ही अन्य उर्वरकों की तुलना में लागत कम हुई और पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता बढ़ी।

अश्लील वीडियो देखने के नाम पर शिक्षिका से ठगी

रायपुर। संवाददाता

जिले की सरगुजा पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले में मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर स्कूल शिक्षिका को अश्लील वीडियो देखने के मामले में कार्रवाई का डर दिखाकर उससे 4 लाख 50 हजार रुपये की ठगी की थी। मिली के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली शिक्षिका ने 19 मार्च 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि स्कूल से घर लौटने के बाद उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताते हुए कहा कि वह गूगल ब्राउजर पर अश्लील फोटो और वीडियो देख रही हैं, जो दंडनीय अपराध है। गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई के डर से शिक्षिका घबरा गईं। आरोपियों ने अलग-अलग बहानों से शिक्षिका से फोन-पे और बैंक खातों के माध्यम से कई किस्तों में रकम ट्रांसफर करवा ली। जांच में कुल 4.50 लाख रुपये की साइबर ठगी का खुलासा हुआ। शिकायत के बाद गांधीनगर थाना पुलिस और साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू की। साइबर पोर्टल और बैंक खातों के विश्लेषण में पता चला कि ठगी की रकम भारतीय स्टेट बैंक, फिनो पेमेंट्स बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा समेत विभिन्न खातों में जमा कराई गई थी। इसके बाद रकम को अन्य खातों में ट्रांसफर कर ऑनलाइन माध्यम और एटीएम से निकाला गया।

उप मुख्यमंत्री साव ने विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की

स्वच्छता दीदियों को सुरक्षा किट प्रदान करने के दिए निर्देश

■ जल जीवन मिशन की नल जल योजनाओं के सुचारू संचालन-संधारण के लिए जल कर हेतु पंचायतों और ग्रामीणों को प्रेरित करने कहा

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने संभागीय मुख्यालय जगदलपुर में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्माण कार्यों और योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों और विकास योजनाओं की जानकारी लेकर अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। सांसद श्री महेश कश्यप, महापौर श्री संजय पांडे, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्यों को पूर्ण करने की तिथि विभागीय अधिकारियों द्वारा निर्धारित की गई है, इन कार्यों को समय पर पूर्ण कराने की जिम्मेदारी भी अधिकारियों की है। उन्होंने अधिकारियों को अपनी तकनीकी और प्रशासनिक क्षमता का पूरा उपयोग करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने आवश्यक पहलकरने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि किसी भी परियोजना का डीपीआर तैयार करते समय संभावित समस्याओं फारेस्ट-क्लीयरेंस, भू-अर्जन, विद्युत पोल शिफ्टिंग, अतिक्रमण हटाने

इत्यादि का समाधान पहले से सुनिश्चित कर लें, ताकि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के हितग्राहियों की काउंसलिंग कर जनप्रतिनिधियों एवं वार्ड पार्षदों के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को आवास निर्माण के लिए प्रेरित करने तथा निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता दीदियों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन करने और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं सुरक्षा किट प्रदान करने को कहा। उन्होंने शहर की नालियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा वर्षा ऋतु से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों में निजी क्षेत्र की भागीदारी से रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को प्राथमिकता देने, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और तालाबों की सफाई में नवाचार अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्व बढ़ाने तथा नवीन राजस्व स्रोत विकसित करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित नल जल योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए ग्रामीणों को हर महीने निर्धारित जल कर जमा करने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा, ताकि जल प्रदाय योजनाओं का बेहतर संचालन-संधारण किया जा सके।

संपादकीय

15 हजार से ज्यादा मामले, हजारों मौतें और हर दिन महिलाओं पर दहेज का दबाव

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी ने एक बार फिर दहेज प्रथा की भयावहता को सामने ला दिया है। कड़े कानूनों के बावजूद दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या के मामले यह संकेत देते हैं कि समस्या केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता और व्यवस्था की भी है। कोई भी समाज तभी सभ्य और समग्र रूप से विकसित कहलाता है, जब उसमें ऊंच-नीच और किसी तरह के मतभेद की कोई दीवार नहीं होती तथा सबको उसके हिस्से का अधिकार मिलता है। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि आजादी के दशकों बाद भी भारतीय समाज में ऐसी कुप्रथाएं अपनी जड़ें जमाए हुए हैं, जहां पुरुषवादी मानसिकता के कारण महिलाओं को कमतर आंका जाता है और उन्हें शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है।दहेज प्रथा भी इनमें से एक है, जिसके खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद उस पर रोक नहीं लग पा रही है। दहेज के लिए महिला का उत्पीड़न करने या उसकी हत्या कर देने की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। ऐसे ही एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि एक तरफ लड़की के परिवार से उपहार के नाम पर मोटी रकम ली जाती है और फिर उन्हें भिखारी भी कहा जाता है, यह स्थिति बेहद शर्मनाक है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि समाज में यह संदेश जाना चाहिए कि दहेज के लिए बहू और उसके परिवार को प्रताड़ित करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।सवाल यह है कि जब देश में दहेज के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधान लागू हैं, तो आखिर इस कुरीति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? जाहिर है कि यह हमारे शासकीय तंत्र और सामाजिक व्यवस्था में खामियों का ही नतीजा है, जिसका खामियाजा महिलाओं और उनके परिवार को भुगतना पड़ रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, देश में वर्ष 2017 में दहेज हत्या के 7,466 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2024 के दौरान ऐसे 5,737 मामले दर्ज किए गए।इसी तरह वर्ष 2023 में दहेज प्रताड़ना से जुड़े 15 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। एनसीआरबी के ही अनुसार, 2024 में दहेज हत्या के 5,737 मामले दर्ज किए गए। यानी वास्तविक स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कई मामलों में महिलाएं मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का सामना करती हैं, लेकिन सामाजिक दबाव, परिवार की बदनामी और जागरूकता के अभाव में वे पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करा पातीं।इसमें दोराय नहीं कि दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए कानूनी और सामाजिक मोर्चे दोनों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आएगा और महिलाओं को व्यापक स्तर पर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं किया जाएगा, तब तक कानून बनाने का मकसद और उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी अधूरा ही रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी साफ कहा है कि आखिर लड़के शादी क्यों करते हैं, अगर बाद में लड़की और उसके परिवार का अपमान ही करना होता है।दहेज के लिए मानसिक और आर्थिक दबाव डालना एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। यह विचित्र बात है कि समाज में दहेज प्रताड़ना को सामान्य घटना मान लिया जाता है, जिस कारण कई बार पुलिस की ओर से भी पीड़ित पक्ष की शिकायत दर्ज करने के बजाय दोनों पक्षों में सुलह कराने को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की भी है कि दहेज से जुड़े मामलों को हर स्तर पर गंभीरता से लिया जाए और सरकारी जांच तंत्र में व्याप्त खामियों को दुरुस्त कर उसे संवेदनशील एवं जवाबदेह बनाया जाए।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

(ललित गर्ग)

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें।

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। (यह लेखक के अपने विचार है)।

दिल्ली अग्निकांड से लें सबक, होटल में रुकने से पहले जान लें ये सुरक्षा नियम

(अभिनय आकाश)

जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या प्रतिष्ठान ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और क्या उसके संचालन से परिसर में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। जिस आराम और मानसिक शांति की तलाश में हम अपने घरों से दूर घूमने निकलते हैं, वह सफर हमारे लिए इस कदर खतरनाक साबित हो सकता है। यह दिल्ली की घटना ने साफ कर दिया है। बुकिंग करते समय रेटिंग और कमरों की सजावट देखने के साथ-साथ होटल के सेफ्टी मेजर्स (फायर एग्जिट, स्मोक अलार्म) की भी उतनी ही पड़ताल होनी चाहिए।

जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या प्रतिष्ठान ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और क्या उसके संचालन से परिसर में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। जिस आराम और मानसिक शांति की तलाश में हम अपने घरों से दूर घूमने निकलते हैं, वह सफर हमारे लिए इस कदर खतरनाक साबित हो सकता है। यह दिल्ली की घटना ने साफ कर दिया है।

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। इस घटना की जांच में अवैध रेस्तरां, तहखाने में बंद ग्रिल, छोटी खिड़कियां और पर्याप्त निकासी मार्गों का अभाव प्रमुख चिंता के विषय बनकर उभरे हैं। झांसी रानी के घनी आबादी वाले इलाके में स्थित बहुमंजिला इमारत फ्लोरिश स्टे बी एंड बी में आग लगने के कुछ घंटों बाद ही जांचकर्ताओं ने कई संदिग्ध खामियों की पहचान की, जिनमें होटल का निर्धारित क्षमता से अधिक संचालन, तहखाने में आने-जाने की अपर्याप्त व्यवस्था, निकासी में बाधा डालने वाली छोटी कमरे की खिड़कियां और कथित तौर पर आवश्यक अनुमतियों के बिना संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या इमारत की तंग जगह और आसपास बिछी बिजली की तारों ने अग्निशमन और बचाव कार्यों में बाधा डाली। इमारत के भूतल पर चल रहे रेस्तरां के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं था और आरोप है कि वह अवैध रूप से संचालित हो रहा था। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, इमारत में एक तहखाना, भूतल और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि क्या प्रतिष्ठान ने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया और क्या उसके संचालन से परिसर में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। जिस आराम और मानसिक शांति की तलाश में हम अपने घरों से दूर घूमने निकलते हैं, वह सफर हमारे लिए इस कदर खतरनाक साबित हो सकता है। यह दिल्ली की घटना ने साफ कर दिया है। बुकिंग करते समय रेटिंग और कमरों की सजावट देखने के साथ-साथ होटल के सेफ्टी मेजर्स (फायर एग्जिट, स्मोक अलार्म) की भी उतनी ही पड़ताल होनी चाहिए।

होटल रूम में एंट्री करते ही करें ये काम - जब भी हम किसी होटल में चेक-इन करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान रूम के व्यू, बेड या एमेनिटीज पर होता है। लेकिन अगली बार जब आप किसी होटल के कमरे में कदम रखें, तो अपना सामान रखने के बाद सिर्फ 2 मिनट अपनी सुरक्षा के लिए जरूर निकालें। यह छोटी सी आदत किसी भी आपातकाल में आपकी जान बचा सकती है।

इवेक्युएशन मैप को समझें - हर होटल के कमरे के दरवाजे के पीछे एक इमरजेंसी इवेक्युएशन मैप (निकासी का नक्शा) लगा होता है. इसे ध्यान से देखें और समझें कि आपके रूम से सबसे नजदीकी फायर एग्जिट (आपातकालीन निकास) किस दिशा में है। सुरक्षा उपकरणों की जांच-कमरे की छत पर लगे स्मोक डिटेक्टर और वॉटर स्प्रिंकलर पर एक नजर जरूर डालें कि वे ठीक स्थिति में हैं या नहीं।

रास्ते की बाधाओं पर नजर - अगर आपको दिखे कि इमरजेंसी सीढ़ियों या एग्जिट गेट के रास्ते में होटल स्टाफ ने गद्दे, कुर्सियां या कोई पुराना कबाड़ रख रखा है, तो तुरंत रिसेप्शन या मैनेजर से शिकायत कर उसे साफ करवाएं।

कोठियां, काफिले और स्मारक- दिल्ली में जमीन की नहीं, उसके इस्तेमाल की कहानी ज्यादा दिलचस्प है

तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं।

(तवलीन सिंह)

फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जिमखाना क्लब को बंद करने की कोशिश ने एक ऐसा पिटारा खोल दिया है, जिसमें से निकल रहे हैं कई अहम सवाल। जिनको अभी तक इस विवाद के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, उनके लिए संक्षेप में पहले बता दूं कि मुद्दा क्या है। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बनकर लुटियंस दिल्ली में रहने लगे हैं, उन्होंने दिल लगाकर कोशिश की इस संभ्रांत रिहायशी इलाके की शक्ल बदलने की।इस प्रयास में उन्होंने नया संसद भवन बनाया है रायसीना पहाड़ी पर, और जो सरकारी दफ्तर बने थे अंग्रेजों के जमाने में, उनको खाली कर नए आधुनिक भवनों में भेज दिया है। इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन की ओर जो सड़क जाती है, उसका नाम राजपथ से बदलकर कर्तव्यपथ रखा है और अपने नए कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' का नाम दिया है।

कुछ वर्ष पहले जब जिमखाना क्लब की कार्यसमिति में उन्होंने कुछ सरकारी अफसर नियुक्त किए थे, तो ऐसा लगा था इस क्लब के सदस्यों को कि यह पहला कदम है उस सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए, जिस पर यह क्लब बना था 113 साल पहले। ऐसा ही हुआ पिछले सप्ताह, जब क्लब को सूचना भेजी गई कि जून के पहले सप्ताह तक क्लब सरकार को जमीन वापस करे, जिसके लिए सालाना सिर्फ हजार रुपए का किराया सरकार को मिलता रहा है।

क्लब ने इस सूचना को अदालत में चुनौती दी है और ऐसा हो सकता है कि उसको थोड़ी-बहुत मोहलत मिल जाए, लेकिन दिल्ली में अफवाहें अब यह भी उड़ रही हैं कि सरकार का इरादा है प्रधानमंत्री आवास के पास रेसकोर्स और पोलो ग्राउंड की जमीन भी वापस लेने का। यहां याद दिलाना चाहती हूं कि लुटियंस दिल्ली की सारी जमीन सरकारी है, जो लोगों को सौ साल या 99 साल की लीज पर दी गई है।

तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं और जिमखाना क्लब के सामने है इंदिरा गांधी का पुराना घर, जो उनके बेटे ने स्मारक बना दिया था और खुद उस घर में रहने लगे, जो आज प्रधानमंत्री आवास कहलाता है। देश के पहले प्रधानमंत्री रहा करते थे तीनमूर्ति भवन में, जिसको उनकी बेटी ने स्मारक बना दिया था अपने पिता की याद में।

सच तो यह है कि इस पहले घर को स्मारक न बनाया होता, तो प्रधानमंत्री का स्थायी और सुरक्षित आवास आज भी होता। स्मारक और समाधियां इतनी हैं दिल्ली में कि कई लोग दिल्ली को मुर्दों का शहर कहते हैं मजाक में, लेकिन जिस तरह सरकारी जमीन का फिजूल इस्तेमाल हो रहा है देश की राजधानी में, वह मजाक नहीं, गंभीर मसला है। मंत्रियों और सांसदों को हमने बसाया है ऐसी कोठियों में, जिनकी कीमत बाजार में कम से कम पांच सौ करोड़ रुपए है। ऊपर से यह भी ध्यान में रखिए कि राष्ट्रपति भवन के बाग-बगीचे 300 एकड़ जमीन पर हैं। क्या राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 300 एकड़ जरूरी हैं?

सवाल और भी निकल रहे हैं उस पिटारे से। मंत्रियों को अगर इस देश की गरीब जनता के पैसों से बसाना ठीक समझती है भारत सरकार, तो क्यों नहीं इनको राष्ट्रपति भवन की 300 एकड़ जमीन पर कोठियां बनाकर बसाया जाए? रही बात सांसदों की, तो उनके लिए कई सरकारी होटल हैं संसद के आसपास, जिनमें इतने कम ग्राहक आते हैं कि आधे खाली रहते हैं साल भर। इनमें सांसदों के लिए जगह बन सकती है उन महीनों के लिए जब संसद का सत्र चल रहा होता है। उनको क्यों बड़ी-बड़ी कोठियों की जरूरत है?

अब बात करते हैं प्रधानमंत्री की सुरक्षा की। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री आवास स्थायी और सुरक्षित होना चाहिए। न कि ऐसा घर, जिसको जब किसी के मन में आए स्मारक बना दिया जाए। विनम्रता से प्रधानमंत्री को सुझाव देना चाहती हूं कि जब तक उनकी नई कोठी तैयार नहीं होती है इंडिया गेट के पास, वे क्यों नहीं तीनमूर्ति भवन में रहना शुरू करें, नेहरू स्मारक को कहीं और बनवाकर। तीनमूर्ति भवन शानदार भी है और सुरक्षित भी।

युद्ध के इस दौर में जब प्रधानमंत्री ने गरीबों को खर्चा कम करने के लिए कहा है, तो क्यों नहीं अपनी सरकार को ऐसा करने का आदेश देते हैं? जितनी फिजूलखर्ची हम करते हैं मंत्रियों के काफिलों और कोठियों पर, इसको बंद करना क्या 'देशभक्ति' नहीं होगी मुसीबत के इस दौर में? लुटियंस दिल्ली की जमीन भारत में सबसे महंगी मानी जाती है, तो क्यों नहीं इसका व्यावसायिक इस्तेमाल हो? इस तरह की शुरुआत अगर दिल्ली में होगी, तो राज्यों में भी होने लगेगी और खूब पैसा बचेगा देश का।

फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जब आर्थिक संकट पूरे देश में आया है, तो इस तरह के तमाशे बंद होने चाहिए और सरकारी अफसरों और राजनेताओं को दिल लगाकर देश का पैसा बचाने की कोशिश करनी चाहिए। यही होगी असली देशभक्ति। कहा था न मैंने कि जिमखाना क्लब बंद होने से खुल गया है सवालों का बहुत बड़ा पिटारा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

लाइवलीहुड कॉलेज नारायणपुर में जल वितरण संचालक एवं टैक्सी ड्राइवर प्रशिक्षण का शुभारंभ

नारायणपुर। जिले के युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन नारायणपुर द्वारा लगातार अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर नम्रता जैन के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत लाइवलीहुड कॉलेज नारायणपुर में जल वितरण संचालक एवं टैक्सी ड्राइवर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत जल वितरण संचालक व्यवसाय में 30 युवकों तथा टैक्सी ड्राइवर व्यवसाय में 30 युवक-युवतियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से इन प्रशिक्षणार्थियों में 21 आत्मसमर्पित नक्सली युवा भी शामिल हैं, जो अब हिंसा और भटकाव के मार्ग को छोड़कर विकास एवं आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जुड़ते हुए अपने उज्ज्वल भविष्य की नई इबारत लिख रहे हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास, कार्यस्थल व्यवहार, सुरक्षा मानकों, अनुशासन, रोजगार के अवसरों तथा स्वरोजगार की संभावनाओं को भी सुदृढ़ करने का माध्यम बनेगा।

प्रशिक्षण के दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रतिभागी रोजगार बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बन सकें। कलेक्टर नम्रता जैन ने कहा है कि जिले के युवाओं, विशेषकर आत्मसमर्पित युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से सम्मानजनक आजीविका उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। कौशल आधारित प्रशिक्षण न केवल रोजगार के अवसरों का मार्ग प्रशस्त करता है, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान एवं समाज के प्रति सकारात्मक सोच का भी विकास करता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभावी संचालन एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं नोडल अधिकारी कौशल विकास विभाग अभयजीत मंडावी प्राचार्य लाइवलीहुड द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षण का निरीक्षण किया जा रहा है। उनके विकास एवं व्यावसायिक दक्षता से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। साथ ही प्रशिक्षण निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता मापदंडों के अनुरूप संचालित हो, इसके लिए नियमित रूप से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। अधिकारियों के सतत मार्गदर्शन एवं निगरानी से प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह, आत्मविश्वास एवं सीखने की अभिरुचि निरंतर बढ़ रही है। जिला प्रशासन का यह प्रयास नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत प्रतिभागियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। लाइवलीहुड कॉलेज नारायणपुर द्वारा संचालित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ जिले में शांति, विकास एवं समावेशी प्रगति के नए आयाम स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भरता की यह यात्रा निश्चित रूप से अनेक युवाओं के सपनों को नई उड़ान प्रदान करेगी।

उद्यानिकी महाविद्यालय सोनारपाल में वृहद पौधरोपण और जन-जागरूकता अभियान आयोजित

जगदलपुर। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग के अंतर्गत संचालित नवीन उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सोनारपाल बस्तर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को एक गरिमामय एवं वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस विशेष अवसर पर जन-प्रतिनिधियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने मिलकर न केवल परिसर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण हेतु जन-जागरूकता फैलाने की सामूहिक प्रतिज्ञा भी की। समारोह की अध्यक्षता महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. इशु साहू ने की, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोनारपाल ग्राम पंचायत के सरपंच दयाराम बघेल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जगदलपुर उद्यानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जीपी नाग, उपसरपंच कैलाश मौर्य, ग्राम सभा सोनारपाल के अध्यक्ष संतोराम और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी रामकुमार देवांगन ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों और प्रबुद्धजनों द्वारा फलदार एवं आर्थिक महत्व के पौधों के रोपण से हुई, जिसके तहत काजू, पपीता और ऑयल पाम (तेल पाम) के पौधों का रोपण किया गया। ये पौधे बस्तर की जलवायु के अनुकूल हैं और भविष्य में परिसर की जैव-विविधता तथा हरित आवरण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर सरपंच दयाराम बघेल ने ग्रामीणों और युवाओं को जल संरक्षण करने सहित अधिकाधिक पौध रोपण करने और समाज से सिंगल यूज पॉलिथीन के उपयोग को पूरी तरह समाप्त करने हेतु जन-जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ जीपी नाग ने मिट्टी के बढ़ते प्रदूषण और इसके गंभीर प्रभावों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए क्षेत्र के किसानों का आह्वान किया कि वे रासायनिक उर्वरकों और घातक कीटनाशकों का उपयोग कम करें तथा बड़े पैमाने पर प्राकृतिक व जैविक खेती को अपनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. इशु साहू ने प्रदूषण के कारण हो रहे जलवायु परिवर्तन और उनके दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है, बल्कि यह हम सभी का नैतिक दायित्व है और प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। इस विशेष अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के भीतर पर्यावरण चेतना जगाने के लिए रंगोली, पोस्टर और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी कला और रचनात्मकता के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। इस गरिमामयी समारोह में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी रीतिका समरथ, डॉ. अग्निभ हालदार, डॉ. रिनू, डॉ. वागेश्वरी सहित छात्र-छात्राएं, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

241 बस्तरिया बटालियन द्वारा सेडवा मुख्यालय में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन

जगदलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सेडवा स्थित 241 बस्तरिया बटालियन के मुख्यालय कैंप परिसर में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत कैंप परिसर के विस्तृत क्षेत्रों को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से कुल 165 पौधे रोपे गए।

आयोजन के दौरान बटालियन के जवानों और अधिकारियों में प्रकृति के प्रति गहरा उत्साह देखा गया, जिन्होंने पौधों को लगाने के साथ-साथ उनके दीर्घकालिक संरक्षण और देखभाल की भी पूरी जिम्मेदारी ली। इस गरिमामयी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वितीय कमान अधिकारी संजय कुमार रहे, जिन्होंने समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों और देश के समर्पित जवानों को संबोधन में वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के सामने खड़ी गंभीर चुनौतियों को रेखांकित करते हुए बताया कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और लगातार बढ़ते प्रदूषण जैसी अभूतपूर्व और चिंताजनक समस्याओं का मजबूती से सामना कर रही है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक संतुलन को निरंतर बनाए रखने और मानव जीवन के अस्तित्व के लिए शुद्ध वायु सुनिश्चित करने हेतु बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। आज हम सबको इसके प्रति गहराई से जागरूक होने की जरूरत है ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वच्छ और सुंदर पर्यावरण उपहार में छोड़ सकें और इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर पर्यावरण को बचाने हेतु निरंतर अधिकाधिक पौधे लगाएं। मुख्यालय परिसर में आयोजित इस महत्वपूर्ण प्रकृति-उत्सव के दौरान मुख्य अतिथि के साथ-साथ उप कमान्डेंट निरंजन कुमार निराला एवं प्रमोद कुमार मीना भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इन वरिष्ठ अधिकारियों के साथ ही 241 बस्तरिया बटालियन के समस्त अधीनस्थ अधिकारी और बड़ी संख्या में जवान मौजुद थे।

17 गांवों में एनएमडीसी की अभिनव पहल, शिविरों से निखर रही ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा

किरन्दुल। देश की अग्रणी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी द्वारा अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत दक्षिण बस्तर के 17 गांवों में ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। कोशिश है कि ग्रामीण एवं वनवासी अंचल के बच्चे इन शिविरों के माध्यम से खेल, कला, संगीत तथा विज्ञान जैसी गतिविधियों से जुड़कर अपने व्यक्तित्व विकास की ओर कदम बढ़ाएं। गर्मी की छुट्टियों में यह पहल क्षेत्र के बच्चों के लिए एक नया अनुभव साबित हो रही है। शिविरों में बड़ी संख्या में बच्चे उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। यह शिविर बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं रचनात्मक सोच विकसित करने मे कारगर साबित हो रहे हैं। बैलाडीला क्षेत्र के गांव चोलनार, समलवार, हिरोली, बड़े बचेली, दुगेली, गंजेनार, मसेनार, मोलसनार, नेरली, बड़े कमेली, धुरली, गामावाड़ा, पोरोकमेली, भांसी, बासनपुर और झिरका में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविरों में मुख्य रूप से चार प्रमुख गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है, जिनमें स्पोर्ट्स-फ्रिसबी, ड्राइंग एवं आर्ट-क्राफ्ट, संगीत तथा साइंस डीआईवाई एवं इनोवेशन शामिल हैं। इन गतिविधियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। स्पोर्ट्स गतिविधियों के अंतर्गत बच्चों को फ्रिसबी खेल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह खेल बच्चों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। खेल के माध्यम से आत्मविश्वास और टीम भावना बढ़ाने के साथ ही बच्चों को अनुशासन एवं शारीरिक फिटनेस का महत्व समझाया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को विभिन्न खेल तकनीकों की जानकारी दी जा रही है तथा समूह गतिविधियों एवं मैत्री मैचों का आयोजन भी किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे उत्साहपूर्वक इन खेल गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आयोजित इन शिविरों को स्थानीय ग्रामीणों एवं अभिभावकों द्वारा भी काफी सराहा जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो रहा है। शिविरों के माध्यम से बच्चों को सकारात्मक वातावरण एवं नई सीख मिल रही है, जिससे उनका मानसिक एवं सामाजिक विकास भी हो रहा है।

खेल एवं युवा कल्याण तथा जिला प्रशासन द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत संडे ऑन साईकिल अभियान का आयोजन

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जिला प्रशासन द्वारा ''फिट इंडिया मूवमेंट'' के अंतर्गत संडे ऑन साईकिल अभियान का विशेष आयोजन विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट में आयोजित किया गया। उक्त अभियान का उद्देश्य आम जन में फिटनेस स्वास्थ्य जागरूकता एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करना है।

कार्यक्रम के आयोजन में अधिक से अधिक नागरिकों विद्यार्थियों, खेल संघो, युवा संगठनों एवं अधिकारियों/कर्मचारियों की सहभागिता प्रदान किया। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर संडे ऑन साईकिल कार्यक्रम का आयोजन के दौरान साइकिल रैली प्रातः 7 बजे से कलेक्ट्रेट से प्रारंभ होकर घड़ी चौक से रामकृष्ण मिशन आश्रम, बेहबेड़ा एवं विभिन्न स्थानो से गुजरते हुए पुनः कलेक्ट्रेट में समाप्त हुई। इस आयोजन के अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, छ.ग. लघु वनोपज सहकारी संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष इन्द्र प्रसाद बघेल, नगर पालिका परिषद के पार्षद प्रवीण जैन तथा अन्य जनप्रतिधि, मीडिया के प्रतिनिधि, बिरेन्द्र बहादुर पंचभाई अपर कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नारायणपुर एवं प्रभारी खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण जिला नारायणपुर एवं विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी कर्मचारी द्वारा आयोजन में सहभागिता प्रदान किया गया।

पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक निरंतर जिम्मेदारी : रॉबिंसन गुड़िया

नारायणपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नारायणपुर पुलिस द्वारा माड़ मैत्री अभियान के अंतर्गत भारत सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान से प्रेरित होकर जिले भर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के सभी थाना क्षेत्रों, पुलिस कैंपों एवं कार्यालय परिसरों में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, जनसहभागिता एवं मातृत्व सम्मान का संदेश दिया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थानों एवं पुलिस कैंपों में पुलिस अधिकारियों, जवानों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय ग्रामीणों एवं युवाओं द्वारा 2000 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। साथ ही जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपने-अपने कार्यालय परिसरों में पौधारोपण कर हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस अवसर पर ग्राम गंराजी स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में आत्मसमर्पण उपरांत प्रशिक्षणरत माओवादियों द्वारा भी उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया गया। प्रशिक्षणरत माओवादियों ने पर्यावरण संरक्षण की इस पहल में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम समाज की मुख्यधारा से जुड़ाव, सकारात्मक परिवर्तन एवं पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुड़िया ने संदेश देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का विषय नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक निरंतर जिम्मेदारी है। इस अवसर पर माड़ मैत्री अभियान के अंतर्गत समाज के सभी वर्गों को विकास एवं सकारात्मक परिवर्तन की मुख्यधारा से जोड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। एक पेड़ माँ के नाम अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए प्रकृति, मातृत्व और भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित यह वृक्षारोपण अभियान विग्रह से विश्वास की अवधारणा को सशक्त करते हुए पुलिस, स्थानीय समुदाय एवं आत्मसमर्पण उपरांत प्रशिक्षणरत माओवादियों के बीच विश्वास, सहभागिता और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक बना। नारायणपुर पुलिस द्वारा संचालित माड़ मैत्री अभियान के माध्यम से भविष्य में भी जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की बेटियों ने रचा सफलता का इतिहास

मेहनत से हासिल की नई उड़ान

जगदलपुर। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बीच भी यदि सपनों को मेहनत का सहारा मिल जाए, तो सफलता की नई इबारत लिखी जा सकती है। बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड के ग्राम उलनार निवासी निर्धन परिवारों की दो प्रतिभाशाली छात्राओं ने यह साबित कर दिखाया है। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों से जुड़ी रुद्राणी कश्यप और डालेश्वरी बघेल ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्राम उलनार की रहने वाली रुद्राणी कश्यप ने सेजेस करपावंड में अध्ययन करते हुए तथा डालेश्वरी बघेल ने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल उलनार में पढ़ाई कर अपनी लगन, अनुशासन और परिश्रम के बल पर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि ग्रामीण अंचलों के बच्चे भी अवसर मिलने पर किसी से कम नहीं हैं। इन दोनों छात्राओं की प्रतिभा को सम्मानित करते हुए तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए संचालित शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत पंद्रह-पंद्रह हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। गत दिवस उलनार में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में सांसद बस्तर महेश कश्यप ने दोनों छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के चेक सौंपे और उन्हें आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उच्च शिक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की सलाह दी। साथ ही इन बच्चों को पौधे प्रदान कर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सजग रहकर समाज को जागरूक करने प्रोत्साहित किया। रुद्राणी की सफलता से उसके परिवार में खुशी का माहौल है। माता कुंती कश्यप ने बताया कि बेटी की उपलब्धि ने पूरे परिवार का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। उन्होंने कहा कि रुद्राणी की रुचि जीव विज्ञान विषय में है और वे उसकी आगे की पढ़ाई के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे, ताकि वह अपने सपनों को साकार कर सके। वहीं डालेश्वरी बघेल के पिता लम्बोदर बघेल ने बताया कि बेटी की इस सफलता में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शिक्षकों की सलाह के अनुसार वे गांव के स्कूल में ही उसकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देंगी, जिससे वह आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर सके। तेंदूपत्ता संग्रहण जैसे श्रमसाध्य कार्य से जुड़े इन परिवारों की बेटियों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बन गई है। शिक्षा प्रोत्साहन योजना से मिली सहायता ने न केवल छात्राओं का उत्साह बढ़ाया है, बल्कि उनके सपनों को नई दिशा और नई ऊर्जा भी प्रदान की है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर सफलता का परचम लहराने वाली ये बेटियां इस पूरे क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई हैं।

24 घंटे का संगीतमय गायत्री महामंत्र अखंड पाठ संपन्न

किरंदुल। नगर की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना के साथ श्री राघव मंदिर परिसर में पहली बार आयोजित 24 घंटे का संगीतमय सामूहिक गायत्री महामंत्र अखंड पाठ रविवार सुबह 10 बजे विधिवत संपन्न हो गया। शनिवार सुबह 10 बजे से आरम्भ हुआ था यह कार्यक्रम। इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। श्री राम जनकल्याण सेवा समिति श्री राघव मंदिर परिवार और गायत्री परिवार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर गायत्री महामंत्र के पाठ, भजन-कीर्तन और धार्मिक गतिविधियों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ अखंड पाठ में भाग लिया। आयोजन के दौरान गायत्री परिवार किरंदुल, बचेली और दंतेवाड़ा सहित नगर की विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक समितियों ने क्रमवार गायत्री महामंत्र का पाठ, भजन-कीर्तन और आध्यात्मिक प्रस्तुतियां दीं। इससे पूरे आयोजन में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। अखंड पाठ की पूर्णाहुति के बाद गायत्री परिवार द्वारा वैदिक हवन और महाआरती का आयोजन किया गया।समापन पर श्री राघव मंदिर के प्रधान पुजारी सत्येंद्र प्रसाद शुक्ला की धर्मपत्नी स्वर्गीय अंतिमा शुक्ला की स्मृति में एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।

जिसमें उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के लिए भोग-प्रसाद का वितरण किया गया। नगरवासियों ने इस आयोजन को सामाजिक एकता, आध्यात्मिक जागरण और सामूहिक आस्था का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

इजरायल में रोजगार के अवसर: 3500 पदों पर भर्ती, NSDC के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NSDC) के अंतर्गत भारत-इजरायल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के तहत विदेश में रोजगार के बड़े अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अंतर्गत इजरायल में होम बेस्ड केयर नर्स (Home Based Care Giver) के 3500 पदों पर भर्ती की जाएगी।

जानकारी के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को लगभग 2,00,000 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा। यह नियुक्ति अनुबंध आधार पर 2 वर्ष के लिए होगी, जिसे आवश्यकता अनुसार बढ़ाया जा सकता है।

आवश्यक योग्यता एवं शर्तें : इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों की आयु 25 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास रखी गई है तथा इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी विषय आवश्यक है। अभ्यर्थी के पास कम से कम 3 वर्ष की वैध पासपोर्ट होनी चाहिए और वह शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। इसके अलावा आवेदक की लंबाई 1.5 मीटर से अधिक तथा वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। अभ्यर्थी ने पूर्व में इजरायल में कार्य न किया हो। साथ ही मान्यता प्राप्त संस्थान से 990 घंटे का केयरगिविंग/नर्सिंग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र अनिवार्य है। इसमें GDA, ANM, GNM, B.Sc Nursing, Physiotherapy या Nurse Assistant Midwife जैसे कोर्स शामिल हैं।

सुविधाएं : नियोक्ता द्वारा चयनित उम्मीदवारों को आवास एवं भोजन की सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा चिकित्सा बीमा, राष्ट्रीय अवकाश एवं वार्षिक अवकाश की व्यवस्था भी प्रदान की जाएगी। सप्ताह में 6 दिन कार्य दिवस रहेगा।

चयन प्रक्रिया: उम्मीदवारों का चयन निम्न चरणों के माध्यम से किया जाएगा– ऑनलाइन पंजीयन (NSDC पोर्टल), दस्तावेज सत्यापन, पात्रता जांच, स्वास्थ्य परीक्षण एवं पुलिस क्लियरेंस, इसके बाद इजरायल के नियोक्ता द्वारा वीडियो इंटरव्यू और अंतिम चयन।

वेतन संरचना: रिपोर्ट के अनुसार वेतन से आवास, भोजन एवं बीमा आदि की कटौती के बाद लगभग 1,99,770 रुपये प्रतिमाह उम्मीदवार को प्राप्त होंगे।

आवेदन प्रक्रिया: इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द आधिकारिक रोजगार पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन करें। किसी भी प्रकार की शंका होने पर जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

प्रशासन की अपील : अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि उम्मीदवार केवल आधिकारिक माध्यम से ही आवेदन करें और किसी भी दलाल या फर्जी एजेंट से सावधान रहें। सभी जानकारी रोजगार कार्यालय, दुर्ग से प्राप्त की जा सकती है।

ग्रामीण खिलाड़ियों को मिला तीरंदाजी प्रशिक्षण
तीरंदाजी समर कैंप के समापन में पहुंचे सांसद

डोंगरगांव नगर। जंगलपुर स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में 20 मई से तीरंदाजी समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में लगभग 60 ग्रामीण खिलाड़ियों ने नियमित भाग लेकर तीरंदाजी की बारीकियां सीखी। कैंप में खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, शारीरिक फिटनेस एवं प्रतियोगी तैयारी का विशेष अभ्यास कराया गया। रामपुर जंगलपुर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित समर कैंप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ी आगामी स्कूल नेशनल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ ओपन नेशनल प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।

कोच राहुल साहू एवं भोपेन्द्र सिन्हा द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया गया। आयोजकों ने बताया कि तीरंदाजी सीखने के इच्छुक नए खिलाड़ी भी कैंप से जुड़ सकते हैं और प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षकों का कहना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर खिलाड़ियों के कौशल विकास एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्र के जनपद पंचायत डोंगरगांव के उपाध्यक्ष मनीष कुमार साहू एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य पुनाराम यादव ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कैंप में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। तीरंदाजी के समापन समारोह में मनीष साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत डोंगरगांव, टुमन लाल साहू सभापति, भुवन लाल साहू मंडल अध्यक्ष अर्जुनी, जोंगी साहू पूर्व सरपंच जंगलपुर, चंदू लाल साहू अध्यक्ष स्कूल जनभागीदारी समिति सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रजा यूनिटी फाउंडेशन ने गाय को राष्ट्रीय एवं राजकीय पशु घोषित करने की मांग की

दल्ली राजहरा । रजा यूनिटी फ उंडेशन दल्ली राजहरा एवं मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने गाय को राष्ट्रीय पशु तथा छत्तीसगढ़ में राजकीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गौ संरक्षण, गौवंश सुरक्षा एवं आवारा पशुओं की समस्या के समाधान हेतु प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि देश के करोड़ों नागरिक गाय को माता का दर्जा देकर उसकी पूजा-अर्चना करते हैं। मुस्लिम समाज उनकी धार्मिक भावनाओं एवं आस्था का सम्मान करता है। इसी भावना के तहत भारत सरकार से गाय को राष्ट्रीय पशु तथा छत्तीसगढ़ शासन से गाय को राजकीय पशु घोषित करने के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया है। संगठन ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान समय में बड़ी संख्या में गाय एवं अन्य गौवंश सड़कों पर आवारा घूमते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है और मानव तथा पशु दोनों की जान-माल को नुकसान पहुंचता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए पर्याप्त गौशालाओं की स्थापना, उनके समुचित संचालन तथा पशु मालिकों की जवाबदेही तय करने की मांग की गई। इसके अलावा गौवंश के अवैध वध, अवैध परिवहन एवं तस्करी पर कठोर कार्रवाई करने तथा ऐसे मामलों में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने की भी मांग की गई। रजा यूनिटी फाउंडेशन ने कहा कि गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह कृषि, पर्यावरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशु कल्याण से भी जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रभावी नीतियां बनाकर उनका कड़ाई से पालन कराया जाना आवश्यक है। संगठन ने उम्मीद जताई कि केंद्र एवं राज्य सरकार इस विषय पर सकारात्मक पहल करेंगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान शेख नबी खान, निजामुद्दीन, मोहम्मदजावेद, शेख इजराइल मोहम्मद अब्बास तैय्यब अली आदि लोग उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में हुआ वृक्षारोपण

दल्लीराजहरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पौधारोपण कर लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष एवं बालोद जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर जिला अधिकारी सुरेश देशमुख, सह जिला अधिकारी शैलेंद्र सोनवानी, दिनेश तापड़िया, महाविद्यालय के प्राचार्य योगेश्वर साहू, सुरेश निर्मलकर, अब्दुल इब्राहिम, निखिल भारद्वाज, संजय बंजारे एवं सह प्रचार प्रमुख राजेश्वरी देशमुख सहित महाविद्यालय परिवार एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई तथा पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया गया। उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाने का संदेश दिया।

आदिवासी महासम्मेलन की तैयारी को लेकर विधायक अनिला भेड़िया ने ली कांग्रेसजनों की बैठक

दल्लीराजहरा। डौंडीलोहारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खलारी में 11 जून को आयोजित होने वाले आदिवासी महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर क्षेत्रीय विधायक अनिला भेड़िया ने दल्ली राजहरा में कांग्रेसजनों की महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में महासम्मेलन को सफल बनाने तथा दल्ली राजहरा क्षेत्र से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक अनिला भेड़िया ने कहा कि यह महासम्मेलन आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन, पर्यावरण एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर हो रहे हमलों का प्रभाव केवल आदिवासी समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के नागरिकों के अधिकारों और हितों से जुड़ा विषय है। इसलिए आदिवासी महासम्मेलन में दल्ली राजहरा क्षेत्र के सर्व समाज के लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रतिराम कोसमा, रवि जायसवाल, काशी राम निषाद, रामजतन भारद्वाज, श्रीनिवास राव, अजय छाजेड़, भूपेंद्र दिल्लीवार, रोशन पटेल, लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, विजय जोगदंड, राजकुमार साहू, युवराज साहू, कृष्णा यादव, अनूप बाम्बेस्वर, महिंद्रन ऋअप्पूऋ, तिलक मानकर, संजय सोनवानी, कुलदीप नोन्हारे एवं अशोक भुआर्य सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने 11 जून को ग्राम खलारी में आयोजित आदिवासी महासम्मेलन को सफल बनाने तथा अधिकाधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

डाइट बेमेतरा के लेखापाल अमिंदर भारतीय ने किया रिकार्ड 17वीं बार रक्तदान

बेमेतरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) बेमेतरा में कार्यरत लेखापाल अमिंदर भारतीय ने रिकार्ड 17वीं बार रक्तदान कर एक अत्यंत ही अनुकरणीय कार्य किया है। जिसके लिए डाइट परिवार गौरवान्वित हुआ है। गौरतलब है कि लेखापाल अमिंदर भारतीय अपने परोपकारी और अनुकरणीय कार्यों के लिए ही जाने जाते हैं। महान संत गुरुघासी दास की तपोभूमि गिरौदपुरी मेला के समय उन्होंने तीन दिनों तक श्रद्धालु भक्तजनों के लिए निःशुल्क भोजन प्रसाद की व्यवस्था किया था और सैकड़ों भक्त जनों को निःशुल्क भोजन प्रसाद अपने हाथों से परोसकर खिलाया था। इससे पहले गिरौदपुरी धाम में 10 सीलिंग पंखे प्रदान कर और अपने हाथों से लगाकर और भी अनुकरणीय कार्य किया है। जिसकी सर्वत्र सराहना की गई और अब लगातार 17वीं उन्होंने रक्तदान कर पूरे मानव समुदाय के लिए एक प्रेरणादायी और अनुकरणीय कार्य किया है। जिससे बेमेतरा नगर सहित अंचल गौरवान्वित हुआ है। डाइट बेमेतरा में पदस्थ लेखापाल अमिंदर भारतीय एक सहज और सरल व्यक्तित्व के धनी है। उनका व्यक्तित्व ही सभी के लिए प्रेरणादायी है। वे कर्तव्यनिष्ठ और समय के पाबंद के श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में वे प्रतिदिन समय से आधा पूर्व पहुंचते हैं और सभी सदस्यों के जाने के बाद अंतिम में भी डाइट से प्रस्थान करते हैं। इसके अलावा वे अत्यंत सहयोगी प्रवृत्ति के भी है और सब का सहयोग करते हैं। डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे, सहायक प्राध्यापक परस राम साहू, प्रहलाद कुमार टिकरिहा, व्याख्याता थलज कुमार साहू ने उनके इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर अमिंदर भारतीय ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

किसी के द्वारा किया गया रक्तदान की एक यूनिट रक्त किसी दुर्घटना, सर्जरी या गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। रक्तदान एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पुण्य का कार्य है। रक्तदान के द्वारा गंभीर से गंभीर पीड़ित 3 लोगों की जान को बचाया जा सकता है। चूंकि कृत्रिम रूप से रक्त नहीं बनाया जा सकता। यह जरूरतमंदों तक पहुँचाने का एकमात्र जरिया है। रक्तदान न केवल दूसरों का जीवन बचाता है, बल्कि यह दाता के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद है।

बेमेतरा किसान कांग्रेस 11 जून को कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव करेगी

बेमेतरा। बेमेतरा के राजीव भवन में जिला किसान कांग्रेस की प्रथम बैठक आयोजित की गई इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे बैठक में जिले के किसानों की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चर्चा की गई और एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि वर्तमान में किसान खाद, बीज, बिजली और डीजल की किल्लत से लगातार परेशान हो रहे हैं किसानों की इन्हीं सुलगती समस्याओं को देखते हुए 9 सूत्रीय मांगों के समर्थन में आगामी 11 जून को कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार में किसान चारों तरफ से परेशान हैं।

खाद, बिजली, डीजल और धान खरीदी में किसानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। इसके विपरीत, जब प्रदेश में हमारी कांग्रेस की सरकार थी, तब किसानों को किसी भी तरह की परेशानी या दिक्कत नहीं होने दी गई थी यह सरकार किसान विरोधी साबित हो रही है मंगत साहू अध्यक्ष जिला किसान कांग्रेस बेमेतरा एवं अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया तथा घेराव को सफल बनाने की तैयारी बैठक के दौरान किसान कांग्रेस के समस्त ब्लॉक अध्यक्षों एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं सभी पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर तैयारी करें और 11 जून सुबह 11 बजे भारत रत्न पैलेस के बगल में सभा संबोधित करने पश्चात कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया जाएगा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में किसानों और कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचें इस बैठक में जिला युवा अध्यक्ष प्रांजल तिवारी हरीश साहू रोशन सिन्हा मिथलेश वर्मा रश्मि मिश्रा ईश्वर वर्मा विवेक राजपूत रवि परगनिहा अंजोर दास लव कुमार राजपूत लेखराम साहू कन्हैया साहू ललित विश्वकर्मा मनोज शर्मा संग्राम सिंह शकुन्तला साहू योगिता साहू बहल वर्मा ऋषि वर्मा विनोद परगनिहा मोहित वर्मा छगन साहू धनंजय साहू भावसिंह राज टोकेश्वर साहू सीताराम यदु चितरेन वर्मा कृष्णा चतुर्वेदी सिद्धिक खान शेख शरीफ कुरैशी देवा गर्ग संजय वर्मा किशुन वर्मा महेंद्र साहू महावीर साहू लक्ष्मण साहू निलेश ठाकुर मनीष साहू धरम वर्मा निलेश वैष्णव सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

4 जुआडियों से नगदी रकम 3,480 रूपये जब्त

बेमेतरा। जिले में अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला एवं थाना पुलिस टीम द्वारा जरिए मुखबिर सुचना पर एफसीआई गोडाउन के किनारे, नहर पार आम जगह, ग्राम बीजाभाठ में रेड कार्यवाही कर 04 जुआड़ी से नगदी रकम 3,480/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त किया गया। 06 जून 2026 को थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम बीजाभाठ एफसीआई गोडाउन के किनारे, नहर पार आम जगह में कुछ जुआडियान ताश पत्ती से रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सुचना पर थाना सिटी कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर 04 जुआड़ी पकड़े गए। जिसमें थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में 01 प्रकरण दर्ज कर 04 जुआडियानो 01. केशव बंजारे उम्र 25 वर्ष, निवासी बीजाभाठ, 02. सुरेश कुर्रे उम्र 25 वर्ष, निवासी बीजाभाठ, 03. समलिया साहू उम्र 45 वर्ष, निवासी नयापारा बेमेतरा, 04. संतोष देवांगन उम्र 46 वर्ष, निवासी बीजाभाठ थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2),छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यवाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फड़ से कुल जुमला नगदी रकम 3,480/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त किया गया।

शादी उपरांत नवागढ़ पहुंचने पर विधायक दीपेश साहू का भव्य स्वागत

विकास धर दीवान ने कराया विधायक नवदंपति को नवागढ़ नगर भ्रमण, प्रमुख मंदिरों में दर्शन कर लिया आशीर्वाद

बेमेतरा। सामूहिक विवाह समारोह में सादगीपूर्ण विवाह कर प्रदेशभर में चर्चा का विषय बने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ विवाह उपरांत पहली बार नवागढ़ पहुंचे। उनके सहपत्नीक प्रथम आगमन को लेकर नगर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजजनों एवं नागरिकों ने विभिन्न स्थानों पर उनका आत्मीय स्वागत किया। नवागढ़ रेस्ट हाऊस पहुंचते ही भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री विकास धर दीवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी एवं पुष्पवर्षा कर विधायक दंपति का भव्य स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से अभिनंदन करते हुए नवदंपति को सुखद एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं। रेस्ट हाऊस परिसर में लगे जयघोषों से वातावरण उत्साह और उल्लास से भर उठा। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, समर्थक एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। विकास धर दीवान ने विधायक दीपेश साहू की भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं स्थानीय नागरिकों से वन-टू-वन मुलाकात भी कराई।

विकास धर दीवान ने करवाए प्रमुख मंदिरों के दर्शन

रेस्ट हाऊस में मुलाकात कार्यक्रम के पश्चात विधायक दीपेश साहू अपनी धर्मपत्नी के साथ नगर भ्रमण पर निकले। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री विकास धर दीवान ने उन्हें नगर के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाए। विधायक दंपति ने शमी गणेश मंदिर, मां महामाया मंदिर, शक्ति मंदिर एवं मां कर्मा मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं ने नवदंपति का अभिनंदन करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मां कर्मा भवन में साहू समाज ने किया आत्मीय स्वागत

नगर भ्रमण के दौरान विधायक दंपति मां कर्मा भवन भी पहुंचे, जहां तहसील साहू संघ के अध्यक्ष प्रेमु साहू के नेतृत्व में साहू समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर समाजजनों ने पुष्पमालाओं से अभिनंदन कर नवदंपति को शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात मां कर्मा मंदिर में विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक दंपति ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

जनता का स्नेह मेरी सबसे बड़ी ताकत : दीपेश साहू

विधायक दीपेश साहू ने कहा कि विवाह के बाद पहली बार अपने गृह क्षेत्र नवागढ़ आने का अवसर मिला है। यहां कार्यकर्ताओं, समाजजनों और नागरिकों ने जो स्नेह, सम्मान और आशीर्वाद दिया है, उससे मैं अभिभूत हूं। नवागढ़ मेरे घर-परिवार का हिस्सा है। क्षेत्र के विकास, जनसेवा और सामाजिक समरसता के लिए मैं पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहूंगा।

जनविश्वास का प्रतीक है यह स्वागत: विकास धर दीवान

भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री विकास धर दीवान ने कहा कि विधायक दीपेश साहू ने सामूहिक विवाह के माध्यम से समाज को सादगी, संस्कार और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है। नवागढ़ आगमन पर कार्यकर्ताओं एवं समाजजनों द्वारा किया गया भव्य स्वागत उनके प्रति जनता के स्नेह, विश्वास और आत्मीय जुड़ाव को दर्शाता है।

जनसेवा और सादगी का प्रेरक उदाहरण : मधु रॉय

जिला पंचायत सदस्य मधु रॉय ने कहा कि विधायक दीपेश साहू का सरल व्यक्तित्व और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाती है। सामूहिक विवाह में शामिल होकर उन्होंने समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। अंत में जिला पंचायत सदस्य मधु रॉय के निवास पर स्वागत एवं सौजन्य भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां भी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने विधायक दंपति का अभिनंदन किया। इसके पश्चात विधायक दीपेश साहू एवं उनकी धर्मपत्नी अपने गृह ग्राम मुरता के लिए रवाना हुए, जहां वे पारिवारिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। उनके प्रथम सहपत्नीक नवागढ़ आगमन ने कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में नया उत्साह भर दिया तथा पूरे नगर में दिनभर उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल साहू, निमिराज सोनवानी, जितु भुवाल, सुरेश निषाद, महेश टंडन, फूलचंद साहू, वेदप्रकाश वर्मा, शोभित साहू, तोपसिंह साहू, दानीराम जायसवाल, कपिल साहू, जित्ते रजक, राजा सोनकर, तिलक साहू, आजूराम साहू, दिलीप साहू, सावित्री रजक, विकास तम्बोली, योगेश वर्मा, रोहित साहू, उमेश्वरी साहू, पिंकी गुप्ता, ममता साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजजन उपस्थित रहे।

धन लाभ के लिए आजमाएं वास्तु के ये 5 आसान उपाय

घर आएगी सुख-समृद्धि

आर्थिक तंगी दूर करने के लिए व्यक्ति कई प्रयास व उपाय करता है। वास्तु शास्त्र में धन की कमी को दूर करने के कुछ उपाय बताए गए हैं। मान्यता है कि वास्तु के कुछ नियमों का पालन करने से जीवन में सुख-समृद्धि के साथ खुशहाली का आगमन होता है। जानें धन लाभ के लिए आसान वास्तु उपाय-

धन लाभ के लिए वास्तु अनुसार क्या करें

वास्तु के अनुसार, तिजोरी को हमेशा दक्षिण दीवार से थोड़ा आगे कम से कम एक इंच दूरी पर रखना चाहिए। इसके अलावा तिजोरी का पिछला हिस्सा दक्षिण दिशा और दरवाजा उत्तर दिशा में खुलना चाहिए।

इस समय न करें पैसों का लेनदेन

धन संबंधी परेशानियों से मुक्ति करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त व शाम के समय पैसों का लेनदेन नहीं करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, तिजोरी के कमरे का दरवाजा पूर्व या उत्तर दिशा में होना शुभ होता है। ध्यान रखना चाहिए कि उत्तर दिशा में दरवाजे के सामने तिजोरी नहीं रखनी चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का भी ध्यान रखना चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी के लिए पूर्व या उत्तर दिशा में एक छोटी खिड़की लगाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से धन लाभ होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

तिजोरी की पूजा

जीवन में आर्थिक वृद्धि के लिए गुरुवार व शुक्रवार को तिजोरी की पूजा जरूर करनी चाहिए। इसके अलावा तिजोरी पर स्वास्तिक का निशान बनाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मां लक्ष्मी की कृपा से आर्थिक उन्नति होती है।

मोरपंख

अक्सर आपने लोगों के घरों में मोर पंख देखा होगा, लेकिन मोरपंख को पर्स में कभी भी नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में मोर पंख हमेशा खुली जगह पर ही रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार, पर्स में मोर पंख रखने से आर्थिक उन्नति नहीं होती है।

सनस्क्रीन पहले लगाएं या फिर फेस पाउडर?

स्किन केयर में क्लिंजिंग, टोनिंग के अलावा मॉइश्चराइजर और सनस्क्रीन को भी शामिल करनी चाहिए। हर रोज सनस्क्रीन लगाने से न सिर्फ धूप से होने वाली जलन से बचाव होता है, बल्कि यह आपकी स्किन को शांत रखने का काम करता है। सही तरह से सनस्क्रीन लगाई जाए तो हानिकारक किरणों से बचाव होता है, जो जलन का कारण बन सकता है। आजकल मार्केट में कई तरह के सनस्क्रीन मिलती हैं। जिन्हें आप अपनी स्किन टाइप के मुताबिक चूज कर सकती हैं। हालांकि, अक्सर महिलाएं इस बात को लेकर कंफ्यूज रहती हैं कि सनस्क्रीन पहले लगाएं या फिर फेस पाउडर? अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है तो इस आर्टिकल में समझिए क्या पहले लगाना चाहिए।

क्या लगाएं पहले?

अगर आप भी कंफ्यूज रहती है क्या पहले लगाएं तो आपको बता दें कि सनस्क्रीन को फेस पाउडर से पहले लगाना चाहिए। सनस्क्रीन आमतौर पर स्किनकेयर रूटीन का आखिरी स्टेप होता है और इसे क्लींजिंग और मॉइस्चराइजिंग के बाद लेकिन मेकअप से पहले लगाना चाहिए। मेकअप से पहले सनस्क्रीन लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि वह ठीक से अवशोषित हो जाती है और ज्यादाबेहतर तरीके से स्किन को प्रोटेक्ट करती है। इसे लगाने के बाद आप अपना मेकअप, जिसमें फेस पाउडर भी शामिल कर सकते हैं।

मेकअप से पहले सनस्क्रीन कैसे लगाएं

मेकअप के साथ सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहद ही कंफ्यूजिंग हो सकता है। क्लींजर का इस्तेमाल करने के बाद टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। फिर करीब 5 मिनट रूकें और अगले स्टेप में सनस्क्रीन को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। चेहरे के साथ गर्दन पर भी सनस्क्रीन लगाएं, क्योंकि मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल गर्दन पर भी किया जाएगा। सनस्क्रीन लगाने के बाद कम से कम 10 मिनट का इंतजार करें और फिर अपने मेकअप प्रोडक्ट लगाना शुरू करें। आप मेकअप के पहले स्टेप में प्राइमर और फिर फाउंडेशन या कंसीलर यूज कर सकती हैं।

गर्मियों में धूप में ज्यादा देर रहते हैं तो न करें ये गलतियां

बिगड़ सकती है सेहत

गर्मी बढ़ती जा रही है. ऐसे में उन लोगों की सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं जिन लोगों की फील्ड जॉब है या फिर जिन्हें किसी और कारण से ज्यादा देर तक धूप में रहना पड़ता है. ऐसे लोगों को अभी से सचेत हो जाना चाहिए और सतर्कता बरतनी चाहिए. क्योंकि यदि आप धूप में ज्यादा देर तक रहते हैं तो इसका गंभीर प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ सकता है. ज्यादा देर धूप में रहने से डिहाइड्रेशन हो सकता है बल्कि नौबत अस्पताल में भर्ती होने तक भी आ सकती है. हीट स्ट्रोक का भी खतरा रहता है. हीट स्ट्रोक होने पर यदि कुछ ही देर में उपचार नहीं मिलता है तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है.

ज्यादा देर तक धूप में रहने वाले लोगों को कुछ खास सावधानियां बरतनी चाहिए. जिससे वह तेज धूप से होने वाले गंभीर नुकसान से बच सकें. सिर पर पड़ने वाली तेज धूप के कारण कुछ ही देर में आपको चक्कर आने की समस्या हो सकती है. तेज धूप में मति भ्रम और देखने की क्षमता भी प्रभावित होती है. तेज धूप के कारण सनबर्न का खतरा भी रहता है. इसके अलावा सबसे गंभीर खतरा हीट स्ट्रोक का रहता है. हीट स्ट्रोक में शरीर का तापमान 40 डिग्री से ज्यादा हो जाता है. हीट स्ट्रोक से मस्तिष्क, हृदय, गुर्दे और अन्य अंगों को गंभीर नुकसान हो सकता है. इसलिए ज्यादा देर धूप में रहना पड़े तो कुछ सावधानियां जरूर बरतनी चाहिए.

यह सावधानियां बरतें

यदि आप ज्यादा देर तक धूप में रहते हैं तो खुद को हाइड्रेट जरूर रखें. नींबू की बिना सोडे वाली शिकंजी आपको ज्यादा देर तक हाइड्रेट रहने में ज्यादा मदद कर सकती है. इसके साथ ही ज्यादा देर धूप में रहना पड़ता है तो सिर को ढक कर रखें. सिर पर तेज धूप पड़ने से माइंड के टिश्यू को भी नुकसान पहुंचता है. हल्के रंग के और ढीले कपड़े पहनें ताकि शरीर को गर्मी से बचाया जा सके.

यह काम भूलकर भी न करें

तेज धूप से से ऑफिस या घर पहुंचने पर तुरंत ठंडा पानी पीने से बचें. ज्यादा देर धूप में रहने के बाद तुरंत नहाने से भी बचें, इससे शरीर का तापमान बिगड़ सकता है और आप लू की चपेट में भी आ सकते हैं. तेज धूप से आने के पर पहले शरीर के तापमान को सामान्य होने दें उसके बाद एसी चालू करें. सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक धूप सबसे ज्यादा तेज होती है. सनबर्न से बचने के लिए धूप में निकलने से पहले कोई सनस्क्रीन जरूर लगाएं.

गर्मियों में स्टाइलिश लुक पाने के लिए ट्राई करें ये डिजाइनर कुर्तियां

आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ट्रैंडिंग कुर्ती डिजाइन्स जो इस गर्मी के मौसम में आपको अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करने चाहिए. ये कुर्तियां स्टाइलिश लुक देने के साथ ही आपके फेवरेट बनने वाली हैं.गर्मी आते ही महिलाएं ऐसा ऑउटफिट वियर करना चाहती हैं जो हल्के होने के साथ ही आरामदायक भी हो. ऐसे में उनकी पहली पसंद हमेशा कुर्ती होती है, जो हमेशा से ट्रेंड में रहती है. गर्मियों में कॉलेज गर्ल्स, ऑफिस जाने वाली महिलाएं या कैजुअल आउटिंग के लिए कुर्ती सबसे बेस्ट ऑप्शन होती है. कम्फर्टेबल होने के साथ ही इसमें आपको अधिक गर्मी भी नहीं लगती. इसलिए आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ ट्रैंडिंग कुर्ती डिजाइन्स जो इस गर्मी के मौसम में आपको अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करने चाहिए. ये कुर्तियां स्टाइलिश लुक देने के साथ ही आपकी फेवरेट बनने वाली हैं.

गर्मियों में स्टाइल के साथ बना रहेगा कंफर्ट

गर्मियों में कुछ ऐसा पहनने का जी होता है जो देखने में भी स्टाइलिश लगे और पहनने में भी कंफर्टेबल हो। इसके लिए कॉटन की शॉर्ट कुर्ती से बेहतर भला क्या होगा। अगर आप ऑफिस या कॉलेज गोइंग हैं या फिर कहीं बाहर भी जा रही हैं, तो अलग-अलग बॉटम वियर के साथ शॉर्ट कुर्ती को पेयर कर सकती हैं। ये देखने में काफी मॉडर्न और स्टाइलिश भी लगती हैं। ऐसे में गर्मियों के आप कुछ कॉटन की कुर्तियां स्टिच करा कर रख सकती हैं। तेज गर्मियों के मौसम में ये आपके कंफर्ट और स्टाइल दोनों का ध्यान रखेंगी।

ढीली स्लीव्स वाली शॉर्ट कुर्ती

कुर्ती को थोड़ा पाकिस्तानी टच देना है तो इस तरह ढीली आस्तीन वाली शॉर्ट कुर्ती स्टिच करा सकती हैं। इसमें सुंदर सी लेस लगाकर और भी खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। इस तरह की कुर्तियां ढीले बॉटम के साथ काफी स्टाइलिश लगती हैं।

प्लेन व्हाइट कॉटन कुर्ती

गर्मियों में सफेद रंग आंखों को बड़ी ठंडक देता है। ऐसे में आप अपने समर्स वॉर्डरोब में एक सिंपल प्रिंटेड कॉटन शॉर्ट कुर्ती शामिल कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने में भी कंफर्टेबल रहेंगी और जींस के साथ काफी फैंसी लुक भी देगी।

कमीज स्टाइल शॉर्ट कुर्ती

सलवार कमीज पहनने में जितने को कंफर्टेबल होते हैं, देखने में उतने ही क्लासी भी लगते हैं। ऐसे में आप भी एक कमीज स्टाइल शॉर्ट कुर्ती अपने समर्स वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इसे सलवार या ढीले प्लाजो के साथ पेयर किया जा सकता है।

फ्रॉक कट शॉर्ट कुर्ती

इस तरह की फ्रॉक कट शॉर्ट कुर्तियां भी आजकल काफी ट्रेंड में बनी हुई हैं। ये भी देखने में काफी स्टाइलिश और ब्यूटीफुल लगती हैं और काफी आरामदायक भी होती हैं। इस तरह की कुर्तियां थोड़े फिटेड बॉटम के साथ खिलकर आती हैं।

इलिश स्लीवलेस शॉर्ट कुर्ती

गर्मियों में स्लीवलेस कपड़े बेस्ट लगते हैं। देखने में भी स्टाइलिश और पहनने में भी कंफर्ट देने वाले। ऐसे में आप कुछ इस तरह की स्लीवलेस कॉटन कुर्ती स्टिच करा सकती हैं। इसमें स्ट्रैप वर्क किया गया है, जो देखने में काफी फैंसी लग रहा है। बेस्ट बात है कि इस तरह की कुर्तियां हर बॉटम के साथ पेयर की जा सकती हैं।

गर्मियों में भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाना क्यों हैं जरूरी?

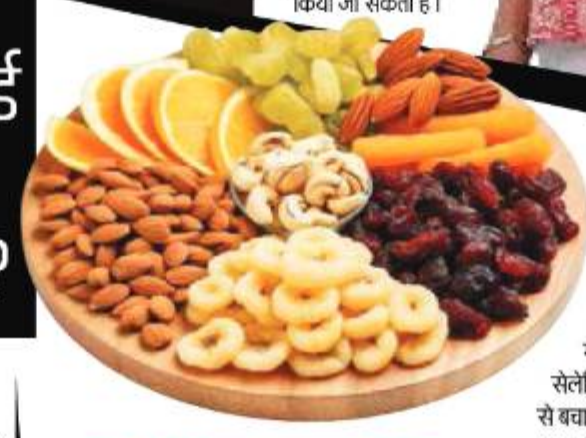

सुबह खाली पेट नाश्ते में भीगे हुए मेवे खाने से सेहत को अनजाने में कई फायदे मिलते हैं। मेवों में विटामिन ए, सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर जैसे कई पौष्टिक तत्व मौजूद होते हैं जो सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पोषण विशेषज्ञों की मानें तो मेवों में हेल्दी फैट और प्रोटीन मौजूद होता है। मेवे भिगोकर खाने से उनमें मौजूद प्रोटीन आंशिक रूप से पच जाता है।

शरीर को ठंडक और ऊर्जा का स्रोत

गर्मियों में शरीर को ठंडक और ऊर्जा की जरूरत होती है। ऐसे में भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से सेहत को फायदा मिल सकता है। बता दें, अधिकतर ड्राई फ्रूट्स की तासीर गर्म होती है, लेकिन भिगोने से ये ठंडी हो जाती हैं। बादाम, किशमिश और अंजीर जैसे ड्राई फ्रूट्स को भिगोने से उनकी गर्म तासीर कम हो जाती है, जो गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने में मदद करती है। इससे शरीर को गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं से बचाव होता है और पाचन तंत्र भी स्वस्थ बना रहता है। बता दें, काजू, अखरोट और खजूर जैसे मेवे भिगोकर खाने से तुरंत ऊर्जा मिलती है, जो गर्मी में थकान और सुस्ती को दूर करती है।

पाचन में सुधार

मेवों में मौजूद विटामिन और मिनरल्स (जैसे जिंक और सेलेनियम) इम्यूनिटी को मजबूत बनाकर मौसमी बीमारियों से बचाव करते हैं। इसके अलावा भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स आसानी से पच भी जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर कब्ज और अपच की समस्या को दूर करने में मदद करता है, जो गर्मियों में आम समस्या होती है। बता दें, मेवों को भिगोने के बाद, इनमें मौजूद फाइटिक एसिड कम हो जाता है, जिससे इन्हें आसानी से पचाया जा सकता है। फाइटिक एसिड एक प्रकार का एंटी न्यूट्रिएंट है जो पोषक तत्वों के अवशोषण को कम कर सकता है, लेकिन भिगोने से इसकी मात्रा कम हो जाती है।

हाइड्रेशन में मदद

मेवों को भिगोकर रखने से उनमें पानी की मात्रा बढ़ती है, जो शरीर में नमी बनाए रखने और डिहाइड्रेशन से बचाने में फायदेमंद है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

भीगे हुए मेवों में मौजूद विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को सूरज की क्षति से बचाते हैं और नमी बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिलती है।

मोटापा रखें कंट्रोल

भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाने से भूख नियंत्रित रहती है, जिससे गर्मियों में अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम होती है। जिससे व्यक्ति ओवरईटिंग से बच जाता है और उसे वेट लॉस में मदद मिलती है।

क्या है मेवे खाने का सही तरीका

4-5 बादाम, 2 अखरोट, 5-6 किशमिश या 1-2 अंजीर को रात भर पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद सुबह इन मेवों को खाली पेट या नाश्ते में खाएं।

देर रात तक जागने से दिमाग पर पड़ता है ये असर

समय के साथ लोगों के लाइफस्टाइल में बड़ा भारी बदलाव आया है। अब गए वो जमाने जब लोग शाम होते ही बिस्तर पर पसरने लगते थे। आज तो चुनिंदा लोगों को छोड़कर ज्यादातर आबादी देर रात सोने वाली हो गई है। खासतौर से यंग जनरेशन तो बिना वजह भी देर रात तक जागना पसंद कर रही है। जाहिर है इस बिगड़ते स्लीपिंग पैटर्न का असर लोगों की हेल्थ पर भी हो रहा है। जाने-मानें गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी, सोशल मीडिया पर अक्सर हेल्थ से जुड़ी बातें साझा करते रहते हैं; उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया है कि जब आप रोजाना देर रात तक जगे रहते हैं, तो इस बात के ज्यादा चांस होते हैं कि आप दिन में 8 से 9 घंटे की अच्छी नींद नहीं ले रहे हैं। इसका असर आपके दिमाग पर भी पड़ता है।

तेजी से बढ़ सकता है आपका वजन

वेट लॉस के लिए सिर्फ सही खानपान और फिजिकल एक्टिविटी ही जरूरी नहीं है बल्कि पर्याप्त मात्रा में सही नींद लेना भी उतना ही मायने रखता है। दरअसल नींद की कमी से शरीर में हार्मोनल डिसबैलेंस होता है, जिससे ज्यादा खाने की क्रेविंग बढ़ जाती है। ऐसे में आप ओवरइटिंग करते हैं और धीरे-धीरे आपका वजन बढ़ने लगता है।

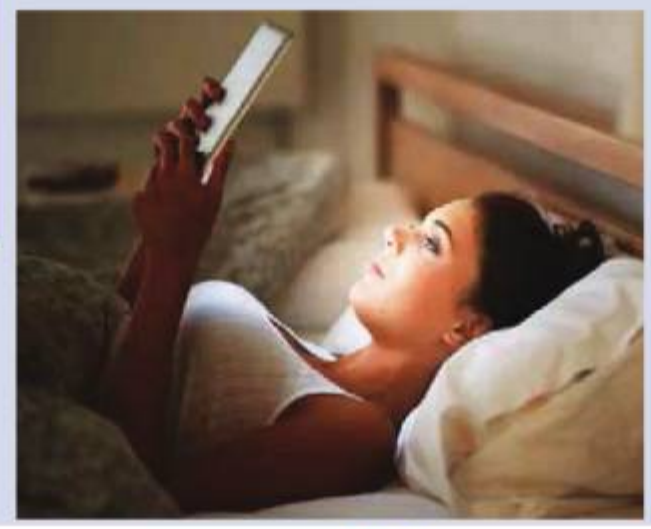

मूड हो सकता है खराब

आपने खुद भी नोटिस किया होगा कि जब आप देर रात तक जागते हैं और सही नींद नहीं लेते, तो दिनभर एक अजीब सा चिड़चिपाना बना रहता है। किसी काम में मन भी नहीं लगता और सारा दिन जैसे थकान और नींद सी आती रहती है। दरअसल हमारा मूड और नींद एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं। ऐसे में अगर आपको अपना दिन बर्बाद नहीं करना है तो समय पर सोएं और पर्याप्त मात्रा में नींद लें।

बढ़ सकता है आपका स्ट्रेस लेवल

डॉक्टर सेठी के मुताबिक जब आप पर्याप्त मात्रा में नींद नहीं लेते हैं, तो आपका स्ट्रेस लेवल भी इंक्रीज हो सकता है। कई स्टडीज में यह बात सामने आई है कि जब आप सही नींद नहीं लेते हैं तो आपका चीजों को देखने का नजरिया काफी नकारात्मक सा हो जाता है। जिस चीज से आसानी से निपटा जा सकता था, उसे भी आप निराशावादी नजरिए से देखने लगते हैं। इससे स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसे मेंटल हेल्थ इश्यूज का खतरा बढ़ जाता है।

सोचने समझने की क्षमता होती है प्रभावित

डॉक्टर सौरभ सेठी के मुताबिक देर रात जागने और कम नींद लेने से दिन भर में आपके सोचने और समझने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। जब आप कम नींद लेते हैं तो किसी भी चीज पर सही से ध्यान केंद्रित नहीं पाते हैं। जिस वजह से अगर किसी बात पर गहराई से सोचना है या कोई जरूरी निर्णय लेना है, तो यह आपके लिए बड़ा चैलेंजिंग टारक बन सकता है। इस स्थिति में ज्यादा मेंटल स्ट्रेंथ वाला काम करना मुश्किल हो जाता है।

09 जून

समस्त भिलाई एवं रिसाली वासियों की तरफ से
विकास पुरुष माननीय
श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी
को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई
एवं शुभकामनाएँ

दीपक पाठक
अभिषेक सिंह
धर्मेन्द्र भगत
आकाश सिंह

09 जून

आदरणीय
प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं

शुभेच्छू : संजय तिवारी, चेयरमेन

एस. आर. हॉस्पिटल & रिसर्च सेंटर
एस. आर. पैरामेडिकल & फार्मेसी कॉलेज
लोकतंत्र प्रहरी प्रोडक्शन एण्ड मीडिया हाउस प्रा. लि.

पता : चिखली, पोस्ट - जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला दुर्ग (छ.ग.)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com